वार्षिक संवादपत्र

2022

Indian National Young Academy of Sciences

भारतीय राष्ट्रीय युवा विज्ञान अकादमी

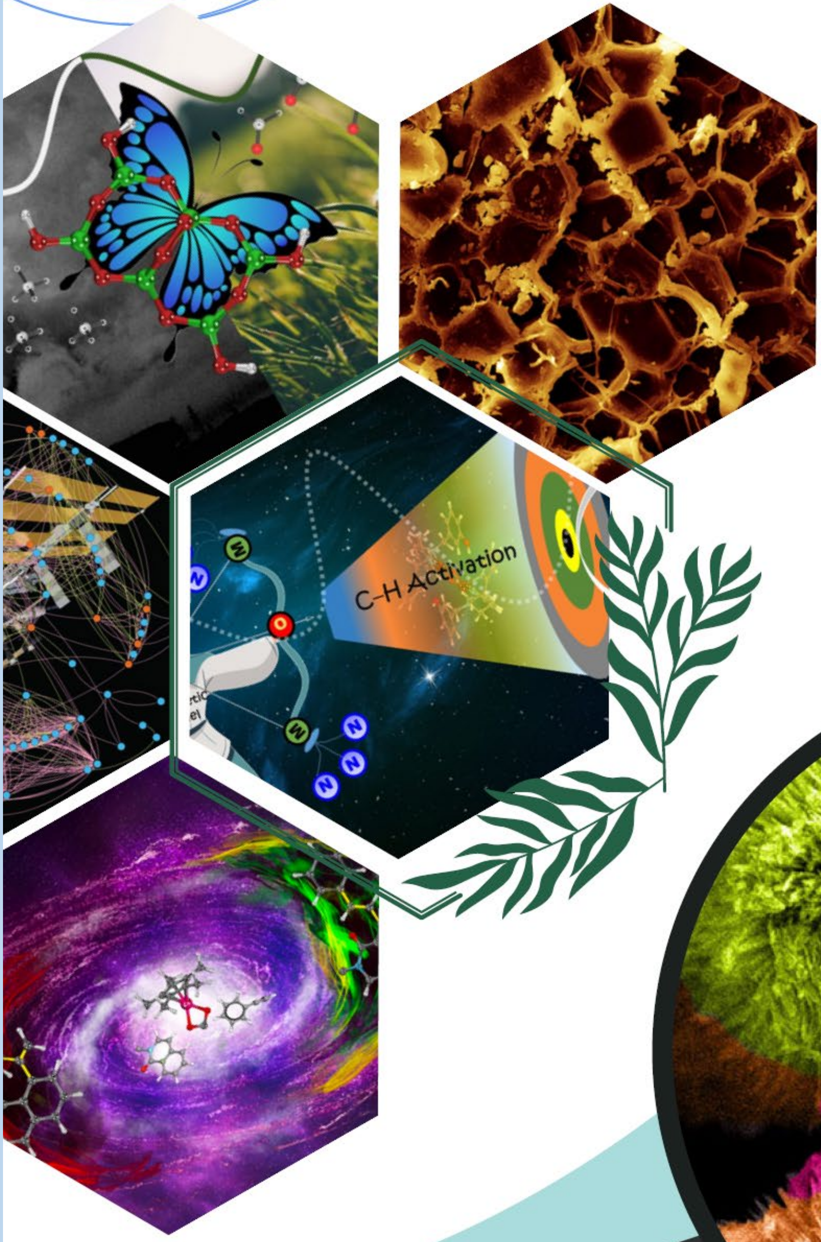

कोर समिति

Dr. Rajendra Singh Dhaka
IIT Delhi, inyasindia@gmail.com

Dr. Rohini Garg, SN University, Gautam Budh Nagar

Dr. M.B.Rajani, NIAS, Bengaluru

Dr. Sriparna Chatterjee
CSIR-IMMT, Bhubaneswar

Dr. Pooja Devi, CSIR-CSIO

Dr. Sugandha Maheshwary
IISER- Mohali

Dr. Dwijendra Narain Pandey
IIT Roorkee

Dr. Veerendra Kumar Sharma
BARC

Dr. Nishant Chakravorty
IIT Kharagpur

संपादक

Dr. Priyanka Bajaj
NIPER, Hyderabad

Dr. Rajib Deb
ICAR-NRC on Pig, Guwahati

Dr Rohini Garg
Shiv Nadar IoE, UP

हिंदी संपादक

डॉ. प्रवीण कुमार

सहेयक प्रोफेसर

इंडियन असॊसिएशन फौर कलटिवेशन आफ साइंस,

कोलकाता-700032, भारत

अध्यक्ष की ओर से संदेश

प्रिय साथियों, मित्रों और INYAS के शुभचिंतकों

भारतीय राष्ट्रीय युवा विज्ञान अकादमी (आईन्यास) की ओर से हार्दिक बधाई,

इंडियन नेशनल यंग एकेडमी ऑफ साइंस (आईएनवाईएएस) दुनिया की बदलती मांगों और प्राथमिकताओं के साथ खुद को प्रतिध्वनित करता है। INYAS क्लस्टर में क्षेत्रीय, सांस्कृतिक और वैचारिक विविधताओं का प्रतिनिधित्व करने वाले कुल 100+ सदस्यों और 45+ पूर्व छात्रों के सदस्यों को शामिल करते हुए पूरे देश में फैला हुआ है। इस विविधीकरण ने INYAS को भाषाई और जातीय बाधाओं को तोड़कर देश भर में विज्ञान की पहुंच गतिविधियों, सम्मेलनों, संगोष्ठियों और सार्वजनिक संवादात्मक सत्रों को शुरू करने का अधिकार दिया। INYAS द्वारा प्रकाशित न्यूज़लेटर्स और रिपोर्ट्स को बेहतर संज्ञान के लिए कुछ क्षेत्रीय भाषाओं में अनुवादित किया जाता है। अकादमी का उद्देश्य विज्ञान में महिलाओं के प्रतिनिधित्व को बढ़ावा देने के लिए एक स्वस्थ लिंग अनुपात बनाए रखना है। विशेष रूप से, वर्ष 2022-23 के लिए INYAS कोर कमेटी टीम में महिला सदस्यों का 55% प्रतिनिधित्व था। 2023 के सदस्यता अभियान में कुल 27 में से 18 सदस्य INYAS में हाल ही में शामिल संस्थानों से संबद्ध हैं। यह देश भर में विभिन्न विषयों से एक प्रतिनिधि मंच प्रदान करता है। INYAS के सदस्य विज्ञान में अपने शोध योगदान के माध्यम से राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर उपलब्धियों और पहचान हासिल करने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। विभिन्न वैश्विक चर्चाओं का हिस्सा बनने से लेकर प्रकाशनों और लेखों में शामिल होने तक, पुरस्कारों ने निश्चित रूप से INYAS की टोपी में पंख जोड़े।

वार्षिक GBM का आयोजन फरवरी 2022 में ऑनलाइन मोड में किया गया था और इस कार्यक्रम में नोबेल पुरस्कार विजेता, PSA GoI, सदस्य NITI Aayog, INSA उपाध्यक्ष और सचिव SERB-DST के साथ-साथ अतिथि और सार्वजनिक व्याख्यान, पैनल की उपस्थिति थी। चर्चा, आदि। उदारीकरण, औद्योगीकरण और वैश्वीकरण के आगमन के बाद, दुनिया भर के अधिकारियों ने विज्ञान और समाज को समाहित करने के महत्व को पहचाना। INYAS खुद को वैज्ञानिक प्रचार और व्याख्या के मशाल वाहक के रूप में स्थापित करता है। RuSETUP (ग्रामीण विज्ञान शिक्षा उपयोगिता कार्यक्रम), WiSDom - (वैज्ञानिक डोमेन में महिलाएं), PRAYOJAN (पोस्ट-पीएचडी: अनुसंधान, शिक्षा और उद्योग के अवसर, विज्ञान पत्रकारिता, अनुदान लेखन और नेटवर्किंग), कार्यशाला, सारांश - थीसिस जैसे कार्यक्रमों को क्रियान्वित करके प्रस्तुति प्रतियोगिता, विज्ञान-कला प्रतियोगिताएं और क्षेत्रीय विज्ञान शिविर। INYAS गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर जोर देकर वैज्ञानिक क्षेत्र में संयुक्त राष्ट्र SDGs को गति देने में अपना योगदान देता है; लैंगिक समानता; उद्योग, नवाचार और बुनियादी ढांचा; कम असमानताएं; आदि। सतत विकास के लिए बुनियादी विज्ञान के अंतर्राष्ट्रीय वर्ष और आज़ादी का अमृत महोत्सव के 75 साल मनाने के लिए, INYAS ने BARC और IITD के सहयोग से "सतत विकास के लिए बुनियादी विज्ञान और प्रौद्योगिकी (BSSD-2022)" पर तीन दिवसीय तकनीकी संगोष्ठी का 16-18 सितंबर 2022 के दौरान डीएई कन्वेंशन सेंटर, अणुशक्तिनगर, मुंबई में आयोजन किया।

राष्ट्रीय विकास का सूचकांक महिलाओं की समावेशिता और समाज के हाशिए पर पड़े वर्ग को मुख्यधारा में लाने पर निर्भर करता है। INYAS व्याख्यान, गतिविधियों के माध्यम से महिला सनकी कार्यक्रमों को संचालित करके और WiSDom के प्रमुख कार्यक्रम के तहत कैरियर के अवसरों के बारे में जागरूकता फैलाकर अपना योगदान देता है। अग्रणी महिलाओं द्वारा किए गए शोध कार्य को स्वीकार करने के लिए, INYAS ने "वीमेन इन INYAS" का संग्रह "वी: द साइंटिस्ट्स" लॉन्च किया, जिसे प्यार से विन्यस कहा जाता है! सामाजिक-आर्थिक मोर्चे पर एकरूपता स्थापित करने के लिए, INYAS रूससेटअप, वैज्ञानिक यात्राओं, प्रदर्शन, व्याख्यान श्रृंखला और

इंटरैक्टिव सत्रों जैसे आयोजनों के माध्यम से भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में लक्षित विज्ञान आउटरीच गतिविधियों का समन्वय और प्रचार करता है। संलग्न करना, अन्वेषण करना, व्याख्या करना, विस्तृत करना और मूल्यांकन करना। सेमिनार, सम्मेलन आयोजित करके और विश्व मंच से विषय विशिष्ट व्याख्यान देने के लिए मेहमानों को आमंत्रित करके राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय नेटवर्किंग के माध्यम से अंतःविषय और अंतर-पीढ़ीगत सहयोग को बढ़ावा देना। विचार-मंथन सत्रों की नेशनल फ्रंटियर्स ऑफ साइंसेज (NatFoS) श्रृंखला 2018 में सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार (PSA) के कार्यालय के समर्थन से शुरू हुई थी। भारत के, विज्ञान के विभिन्न विषयों के बीच एक स्वस्थ संवाद बनाने के लिए। INYAS ने 13-15 मार्च 2022 तक परवाणू, HP में तीन दिवसीय आवासीय बैठक के रूप में NatFoS 2022 का आयोजन किया है। INYAS युवा वैज्ञानिकों को सशक्त बनाने की पहल के लिए एक नीति दस्तावेज तैयार करने के लिए सुझाव और इनपुट प्राप्त करने के लिए PSA कार्यालय के साथ भी भाग ले रहा है।

INYAS विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में समसामयिक राष्ट्रीय हितों के लिए काम करने के लिए खुद को प्रेरित करता है, इरादा रखता है और खुद को इसमें शामिल करता है। गहन मानव संसाधन उपयोग और कौशल उन्मुख शर्त के इस युग में, INYAS का उद्देश्य शिक्षा के क्षेत्र में उद्योग-अकादमिक जुड़ाव को बढ़ावा देना है और 'आत्म-निर्भर भारत' की विचारधारा की स्थापना के लिए स्थानीय स्तर पर काम करना है। INYAS खुद को अंतर-अनुशासनात्मक में संलग्न करने की इच्छा रखता है और अंतःविषय विज्ञान के क्षेत्र में युवा शोधकर्ताओं को ढालने के लिए अंतर-पीढ़ीगत वैज्ञानिक संवाद। अनुसंधान के इच्छुक लोगों के लिए विभिन्न कार्यशालाओं का आयोजन करके कौशल विकास पर ध्यान केंद्रित करना और साथ ही ग्रामीण क्षेत्र के छात्रों के लिए हमारे समाज में योगदान करने के लिए आउटरीच करना। हम 3 पी - अग्रणी, प्रचार और विज्ञान को बढ़ावा देकर राष्ट्र निर्माण में योगदान करने की आकांक्षा रखते हैं। इसके अलावा, INYAS के प्रमुख उद्देश्यों में से एक देश के युवा वैज्ञानिक बल द्वारा सामना किए जाने वाले प्रमुख मुद्दों और चुनौतियों की स्थिति को सामने लाना और राय और सिफारिशों के रूप में उनकी आवाज को सामने रखना है। इस दिशा में, INYAS ने पोस्ट-डॉक, स्कूल के शिक्षकों और कम उपयोग किए गए कार्यबल को कवर करते हुए तीन राष्ट्रीय सर्वेक्षण जारी किए।

यहां, हम जनवरी 2022 से दिसंबर 2022 की अवधि के दौरान सभी INYAS गतिविधियों के अधिक विवरण के लिए अपना वार्षिक न्यूज़लेटर प्रस्तुत करने में प्रसन्नता महसूस करते हैं। मैं उन सभी का हार्दिक आभार व्यक्त करता हूँ जिन्होंने INYAS गतिविधियों का समर्थन किया है। हम वास्तव में हमेशा के लिए सुदृढीकरण और प्रोत्साहन के लिए INSA के आभारी हैं। मैं कोर-समिति के सदस्यों, सभी INYAS सदस्यों, INYAS कार्यालय, और पूर्व छात्रों को उनके बहुमूल्य सुझावों और अब तक किए गए कार्यक्रमों की व्यापक योजना, समन्वय और निष्पादन में महत्वपूर्ण योगदान के लिए अपनी हार्दिक आभार व्यक्त करता हूँ। हम माननीय अतिथियों और प्रतिष्ठित संसाधन व्यक्तियों को उनके बहुमूल्य समय और ज्ञान के लिए धन्यवाद देते हैं। हम INYAS द्वारा आयोजित विभिन्न आयोजनों के लिए वित्तीय सहायता के लिए फंडिंग एजेंसियों को भी धन्यवाद देते हैं।

मैं भविष्य के प्रयासों में INYAS के लिए अपार समृद्धि की कामना करता हूं।

राजेंद्र एस ढाका

अध्यक्ष, इन्यास

एसोसिएट प्रोफेसर, आईआईटी दिल्ली

विषय वस्तु

क्र सं	विवरण	पृष्ठ सं
I	INYAS कोर कमेटी की बैठकें	7
II	INYAS नए सदस्य	8
III	पहलें	10
IV	INYAS के प्रमुख कार्यक्रम	11
	1. INYAS वार्षिक आम सभा की बैठक (फरवरी 2022)	11
	2. प्रयास, INYAS का एक प्रमुख ऑनलाइन कार्यक्रम	12
	3. ग्रामीण विज्ञान शिक्षा और प्रशिक्षण उपयोगिता कार्यक्रम (RuSETUP)	15
	4. वैज्ञानिक क्षेत्र में महिलाएं (WiSDom)	20
	5. सारांश 2022: तीन मिनट थीसिस प्रतियोगिता	24
	6. नेशनल फ्रंटियर्स ऑफ़ साइंस मीटिंग (NatFoS 2022)	25
	7. INYAS मध्य वर्ष बैठक- "सतत विकास के लिए बुनियादी विज्ञान और प्रौद्योगिकी (BSSD-2022)" पर तीन दिवसीय तकनीकी संगोष्ठी	26
V	INYAS-आउटरीच इवेंट्स-प्रशिक्षण और कार्यशालाएँ	27
VI	विशेष दिवस समारोह	40
	INYAS और INSA द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित राष्ट्रीय विज्ञान दिवस समारोह	40
	अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस समारोह	42
	अंतरराष्ट्रीय गणित दिवस पर विज्ञान शिविर	42
	"हमारे ग्रह में निवेश करें", पृथ्वी दिवस समारोह 2022	44

VII	वेबिनार और व्याख्यान	45
VIII	नीति सत्र	55
IX	विज्ञान की लोकप्रियता	58
X	ग्रामीण संपर्क कार्यक्रम	66
XI	अंतर्राष्ट्रीय संयुक्त कार्यक्रम	67
XII	अध्याय घटनाक्रम	68
XIII	पुरस्कार और पहचान	71
XIV	इन्यास प्रिंट में	73

इनयास कोर कमेटी की बैठकें

INYAS कोर कमेटी (CC) की बैठकें वर्ष 2022 में 16 बार आयोजित की गईं।

कोर कमेटी मीटिंग्स का क्रॉनिकल

क्र.सं.	बैठक	तारीख
1	सीसी बैठक	जनवरी 8, 2022
2	सीसी बैठक	फ़रवरी 02, 2022
3	सीसी बैठक	फ़रवरी 15, 2022
4	सीसी बैठक	फ़रवरी 20, 2022
5	सीसी बैठक	मार्च 16-17, 2022 (आईएनएसए, दिल्ली में व्यक्तिगत रूप से)
6	सीसी बैठक	अप्रैल 27, 2022
7	सीसी बैठक	मई 14, 2022
8	सीसी बैठक	जून 4, 2022
9	सीसी बैठक	जून 27, 2022
10	सीसी बैठक	जुलाई 23, 2022
11	सीसी बैठक	अगस्त 31, 2022
12	सीसी बैठक	सितंबर 16, 2022
13	सीसी बैठक	अक्टूबर 14, 2022
14	सीसी बैठक	अक्टूबर 19, 2022
15	सीसी बैठक	नवंबर 8, 2022
16	सीसी बैठक	दिसंबर 26-27, 2022

इनयास नए सदस्य (2023-2027)

नई INYAS सदस्यता 2023 के लिए विभिन्न विषयों और संगठनों से कुल 289 आवेदन प्राप्त हुए थे। नई पहल के तहत, युवा वैज्ञानिकों को सदस्यता के लिए आवेदन करने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए, INYAS YouTube चैनल के माध्यम से प्रचार वीडियो जारी किए गए और लिंक को विभिन्न सोशल मीडिया और INYAS वेबपेज के माध्यम से प्रसारित किया गया। नए सदस्यों का चयन करने के लिए INYAS दिशानिर्देशों के अनुसार आवेदनों की जांच की गई। INYAS को 1 जनवरी 2023 से पाँच वर्षों के लिए 27 नए सदस्यों को शामिल करने पर गर्व है।

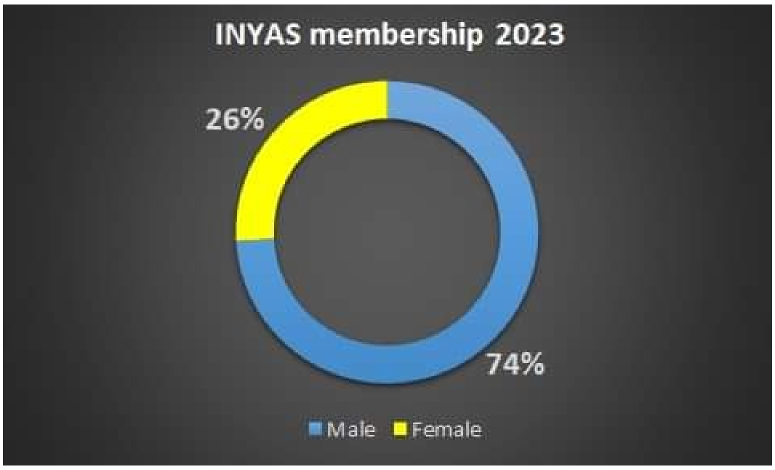

INYAS Membership 2023

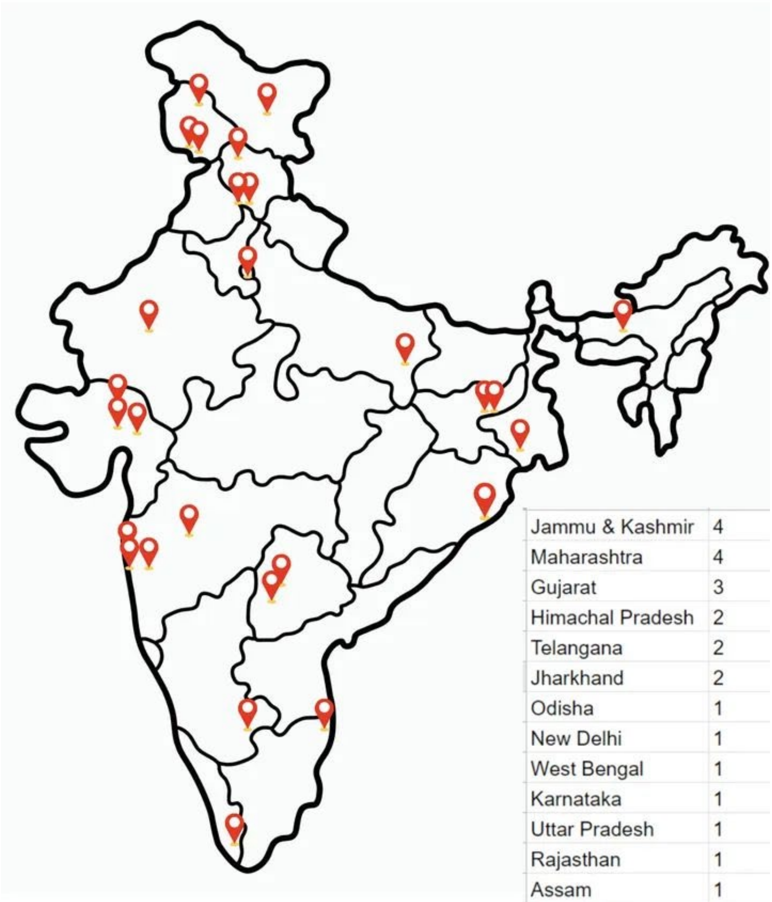

Jammu & Kashmir	4
Maharashtra	4
Gujarat	3
Himachal Pradesh	2
Telangana	2
Jharkhand	2
Odisha	1
New Delhi	1
West Bengal	1
Karnataka	1
Uttar Pradesh	1
Rajasthan	1
Assam	1
Tamil Nadu	1
Chandigarh	1
Kerela	1

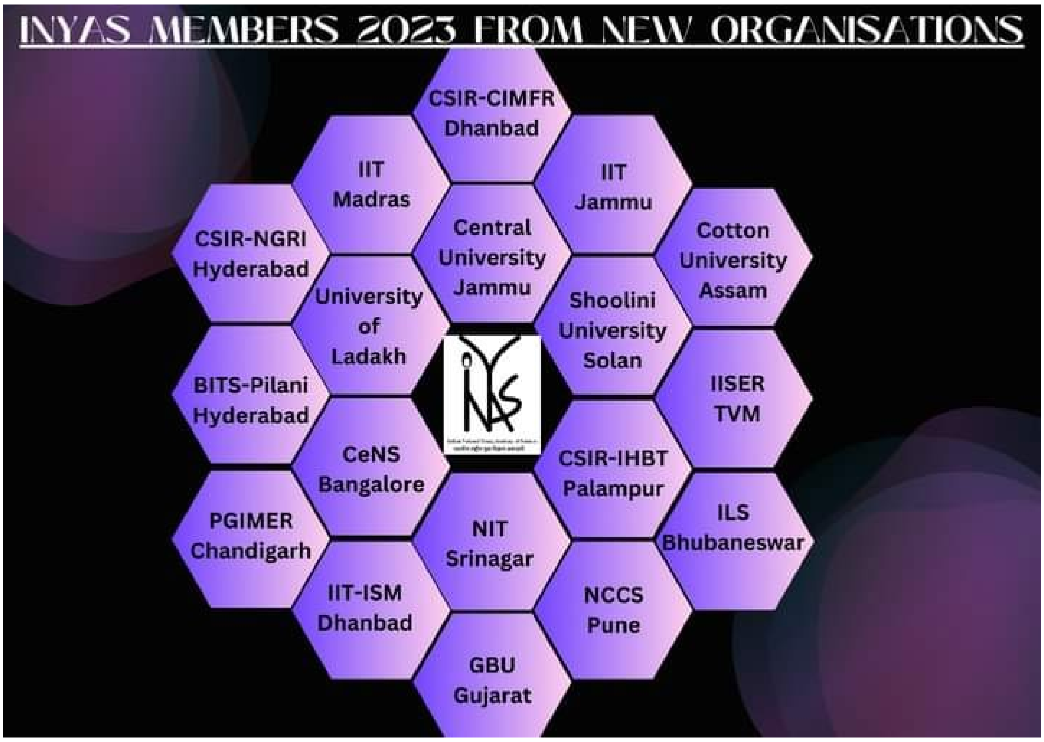

पहलें

INYAS गतिविधियों का विस्तार करने, COVID-19 महामारी जैसी अप्रत्याशित स्थितियों से निपटने के लिए एक स्थायी योजना विकसित करने और INYAS के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए जारी रखने के लिए वर्ष 2022 में कई नई पहलें की गईं। वर्तमान COVID-संबंधी परिस्थितियों को देखते हुए, INYAS गतिविधियों को ऑनलाइन सुचारू रूप से चलाने के लिए नई रणनीतियाँ निर्धारित की गई थीं। वस्तुतः आउटरीच गतिविधियों को व्यापक बनाने के लिए 2022 में नई गतिविधियाँ शुरू की गईं। नई पहलें हैं:

• प्रयास - पीएचडी के बाद अनुसंधान, शिक्षा और उद्योग के अवसर, विज्ञान पत्रकारिता, अनुदान लेखन और नेटवर्किंग

• रुसेटअप - ग्रामीण विज्ञान शिक्षा और प्रशिक्षण उपयोगिता कार्यक्रम

• WiSDom - वैज्ञानिक डोमेन फ्लैगशिप कार्यक्रम में महिलाएं।

• INYAS राष्ट्रीय विज्ञान संचार प्रतियोगिता

• श्वेत पत्र

• विज्ञान

• सारांश

INYAS के प्रमुख कार्यक्रम

INYAS वार्षिक आम सभा की बैठक (फरवरी 2022)

इंडियन नेशनल यंग एकेडमी ऑफ साइंसेज (आईएनवाईएएस) ने 17-20 फरवरी, 2022 (ऑनलाइन मोड) से अपनी सातवीं वार्षिक आम सभा की बैठक आयोजित की। मुख्य विशेषताएं: 2 सार्वजनिक व्याख्यान, 1 पैनल चर्चा (विज्ञान प्रदर्शन सूचकांक: आवश्यकता, औचित्य और विकल्प), सामाजिक लाभ के लिए प्रकाश उत्सर्जक सामग्री पर एक तकनीकी संगोष्ठी)। सार्वजनिक व्याख्यान प्रोफेसर पीटर सी डोहर्टी (मेडिसिन में नोबेल पुरस्कार विजेता, 1996) द्वारा टीकाकरण पर दिया गया था, किसी भी वायरस से सुरक्षा में शामिल प्रमुख प्रतिरक्षा 'प्रभावक' स्रावित (प्लाज्मा कोशिकाओं से) एंटीबॉडी हैं जो रक्त में चारों ओर तैरते हैं। या बलगम, वायरस के कणों को मुक्त करने के लिए बाध्य करते हैं और उन्हें कोशिकाओं के साइटोप्लाज्म (शुरुआत में सार्स-सीओवी-2 के लिए नाक में) तक पहुंचने से रोकते हैं, जहां वे खुद को पुनरुत्पादित करते हैं। जब किसी संक्रमण से उबरने की बात आती है, तो कहें, ए आंशिक रूप से संरक्षित या गैर-टीकाकृत व्यक्ति, प्रमुख प्रतिरक्षा प्रभावक सीडी8+ 'किलर' टी कोशिकाएं हैं जो इन वायरस-उत्पादक सेल 'कारखानों' की पहचान करती हैं, फिर उन्हें नष्ट कर देती हैं। बात 'किलर' वायरस और सीडी8+ 'किलर' टी कोशिकाओं दोनों पर केंद्रित होगी। जो संक्रमण को समाप्त करता है, मेरा अनुसंधान लगभग 50 वर्षों से केंद्रित है। प्रो. विजय के राघवन, भारत सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार और प्रो. संदीप वर्मा, सचिव, विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड - एसईआरबी; प्रो. देवांग खाखर, उपाध्यक्ष, इंडस्ट्रीज़ राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी ने इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया और युवा वैज्ञानिकों और सदस्यों के लिए कई महत्वपूर्ण और प्रासंगिक विषयों पर समूह चर्चा को मॉडरेट किया।

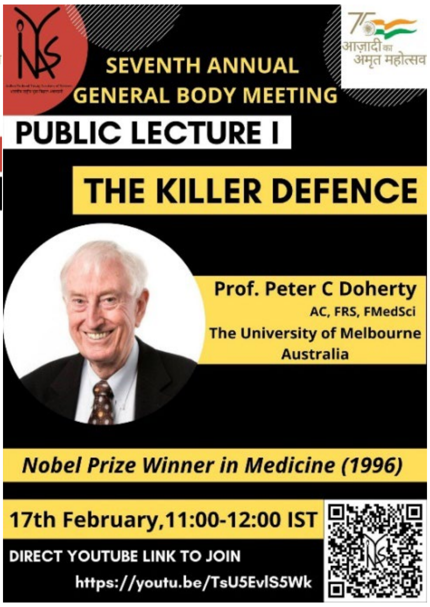

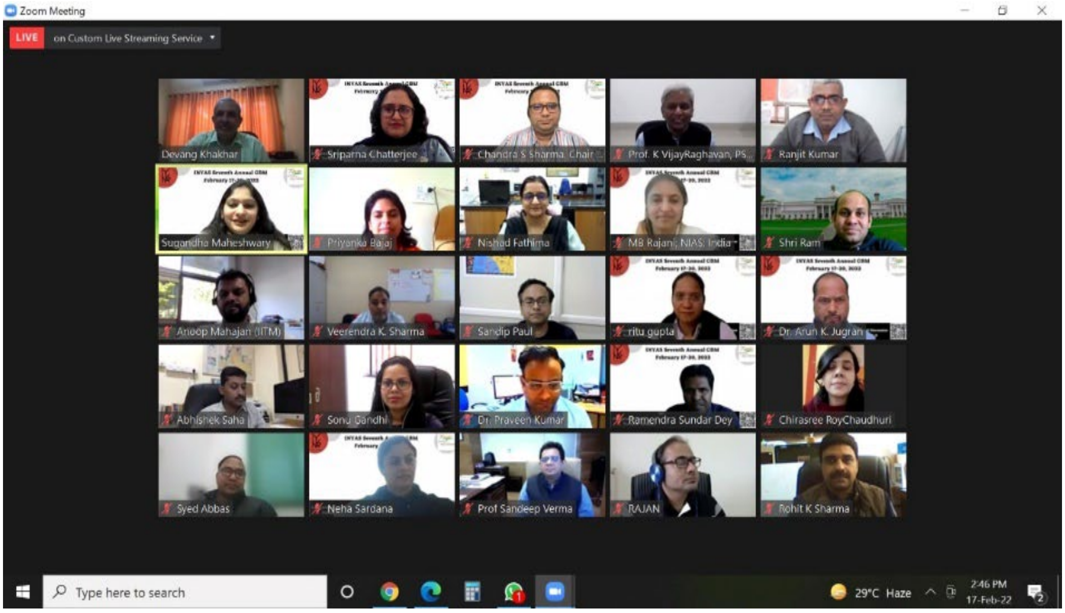

प्रयास, INYAS का एक प्रमुख ऑनलाइन कार्यक्रम

INYAS ने छात्रों के लिए, पोस्ट-पीएचडी, पोस्ट-डॉक्स और शुरुआती कैरियर शोधकर्ताओं सहित, अपनी तरह के एक प्रमुख कार्यक्रम, "प्रयोजन" का सफलतापूर्वक आयोजन किया है। यह कार्यक्रम 23-24 अप्रैल 2022 तक निर्धारित किया गया था और इसका उद्देश्य पीएचडी के बाद कैरियर के अवसरों के बारे में जागरूकता प्रदान करना था। अनुसंधान, उद्योग, अकादमिक लेखन, विज्ञान संचार आदि जैसे विभिन्न क्षेत्रों में। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विभिन्न राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय पोस्टडॉक्टोरल अवसरों और अनुदान-लेखन/सीवी-निर्माण प्रशिक्षण के बारे में जानकारी प्रदान करना भी है। छात्रों को कैरियर के अवसरों के बारे में जागरूकता प्राप्त करने और अपने पेशेवर कौशल को बढ़ाने के लिए इस क्षेत्र में अंतर को देखते हुए INYAS द्वारा इस कार्यक्रम की योजना बनाई गई थी। "प्रयोजन" में छह विस्तृत सत्र थे जिनमें विभिन्न प्रतिष्ठित वक्ता थे।

उद्घाटन समारोह में INYAS की संस्थापक अध्यक्ष, डॉ. अनिंदिता भद्रा और पिछली अध्यक्षों, डॉ. महेश कुमार और डॉ. चंद्रशेखर शर्मा, और वर्तमान अध्यक्ष, डॉ. राजेंद्र ढाका की उपस्थिति के साथ, दिन 1 की शुरुआत शानदार रही। पहले सत्र में, एसईआरबी, डीएसटी, सीएसआईआर, इंडिया एलायंस, आईआईएसईआर मोहाली, आईआईटी गांधीनगर और इसरो के वक्ताओं ने अपने-अपने संस्थानों में प्रारंभिक कैरियर शोधकर्ताओं के लिए पोस्टडॉक और अनुसंधान के अवसरों को साझा किया।

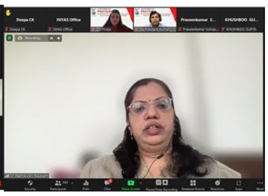

सत्र-2 भारतीय छात्रों के लिए पीएचडी के बाद उपलब्ध अंतर्राष्ट्रीय अवसरों पर बहुत ही जानकारीपूर्ण सत्रों में से एक था। डॉ एसके वार्ष्णेय, श्री विवेक वी. धाम (ईयू प्रतिनिधिमंडल), डॉ सम्राट (ईयूरेक्सेस), इंद्रनील घोष (स्विस दूतावास), डॉ श्रीनी कावेरी (सीएनआरएस फ्रांस), डॉ दिव्या दत्त (फुलब्राइट) और डॉ क्योको नाकानो (JSPS)।

सत्र 3 में, फैलोशिप प्राप्तकर्ता ने सफल फेलोशिप अनुदान लिखने के तरीके पर प्रतिभागियों को सुझाव देने के लिए अनुभव साझा किए। डॉ. योगेश एस. चौहान (भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कानपुर), डॉ. वेद कृष्णन (आईसीएआर-भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान), डॉ. अरित्र सरकार (इंदिरा गांधी परमाणु अनुसंधान केंद्र), डॉ. प्रवीण कुमार (विज्ञान की खेती के लिए भारतीय संघ) कोलकाता) और डॉ रितेश कुमार (सीएसआईआर-सीएसआईओ) ने प्रतिभागियों के साथ अपने अनुभव साझा किए।

चौथे सत्र में नवाचार और उद्यमिता के महत्व पर प्रकाश डाला गया। अपना खुद का व्यवसाय शुरू करने के लिए, विचार से लेकर प्रसंस्करण तक भारत सरकार की ओर से उपलब्ध सभी फंडिंग पर डॉ. सुअर और डॉ. सुनील ने प्रकाश डाला। सीएसआईआर की प्रयोगशालाओं और रिलायंस जैसे रासायनिक उद्योगों में उपलब्ध योजनाओं पर भी चर्चा की गई।

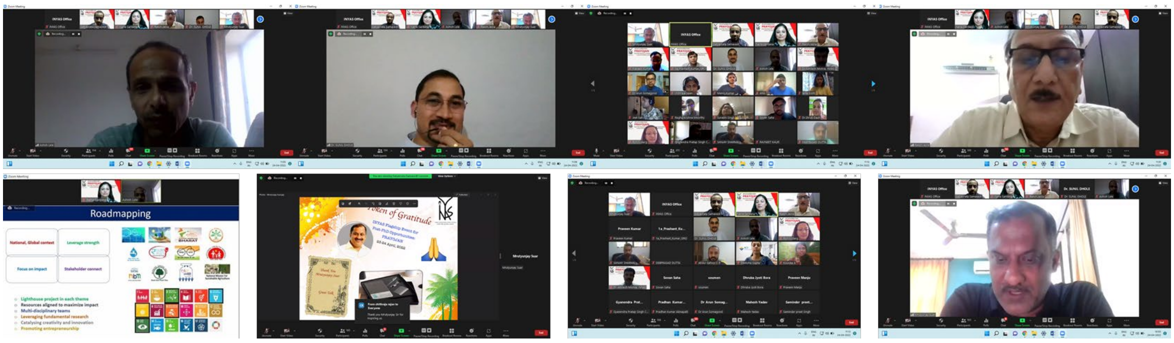

डॉ. दीक्षा गुप्ता, डॉ. अपर्णा गांगुली, डॉ. शुभाश्री देसिकन, सायंतन दत्ता, डॉ. सुचिब्रत बोरा सहित विशेषज्ञों द्वारा अकादमिक प्रकाशन और विज्ञान संचार में कैरियर के अवसरों पर सत्र 5 उपलब्ध अवसरों और विज्ञान संचार में करियर बनाने के लिए आवश्यक कौशल और महत्वपूर्ण बिंदुओं के बारे में था। इसके बाद सभी वक्ताओं द्वारा एक दिलचस्प सवाल-जवाब सत्र होगा।

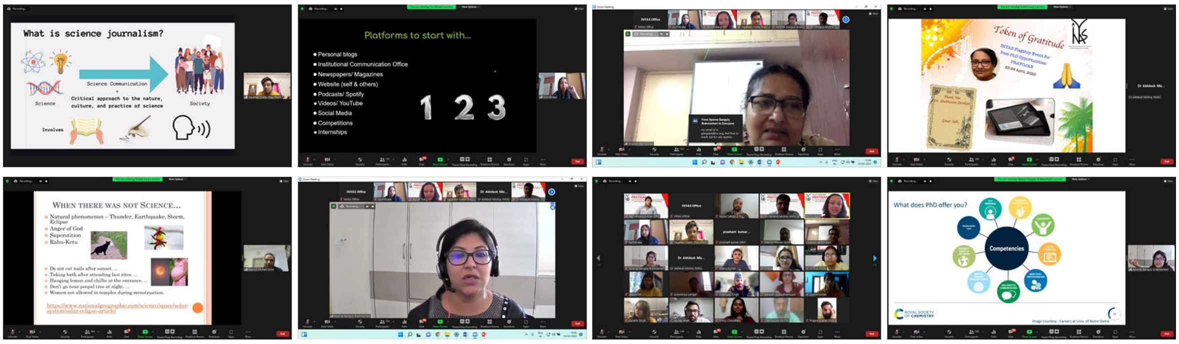

प्रो. संदीप वर्मा, सचिव, एसईआरबी (सत्र 6) के समापन भाषण के साथ दो दिवसीय कार्यक्रम "प्रयोजन" का समापन हुआ। प्रो. वर्मा ने इस आयोजन की सराहना की और स्टार्ट-अप संस्कृति, विज्ञान वृत्तचित्र आदि पर सत्र शामिल करने और ऐसे आयोजनों में विज्ञान शिक्षा और संचार में क्षेत्रीय भाषा को शामिल करने के संबंध में एनईपी के प्रभावों का आकलन करने का सुझाव दिया। प्रतिभागियों ने प्रतिक्रिया दी और व्यापक कार्यक्रम की सराहना की, जिसने उन्हें विभिन्न क्षेत्रों में पीएचडी के बाद करियर के बारे में एक विहंगम दृष्टि प्रदान की। 250 से अधिक उम्मीदवारों की सभी सत्रों में लगातार भागीदारी इस INYAS पहल की प्रासंगिकता को दर्शाती है।

ग्रामीण विज्ञान शिक्षा और प्रशिक्षण उपयोगिता कार्यक्रम (RuSETUP)

RUSSETUP के तहत INYAS सदस्यों द्वारा नीचे सूचीबद्ध स्कूल शिक्षकों के लिए क्षेत्रीय भाषाओं में कई कार्यक्रम आयोजित किए गए।

रूरल साइंस एजुकेशन ट्रेनिंग यूटिलिटी प्रोग्राम (RuSETUP), होमी भाभा सेंटर फॉर साइंस एजुकेशन (HBCSE), मुंबई

INYAS और INSA के मुंबई चैप्टर ने संयुक्त रूप से 3-4 जून, 2022 के दौरान होमी भाभा सेंटर फॉर साइंस एजुकेशन (HBCSE), मुंबई में INYAS फ्लैगशिप इवेंट "रूरल साइंस एजुकेशन एंड ट्रेनिंग यूटिलिटी प्रोग्राम (RuSETUP)" का आयोजन किया। यह प्रोग्राम ग्रामीण क्षेत्रों के लिए डिज़ाइन किया गया था। क्षेत्र विज्ञान शिक्षकों। इस कार्यक्रम के लिए महाराष्ट्र के ग्रामीण क्षेत्रों से बीस उच्च विद्यालय के शिक्षकों का चयन किया गया था।

दिन 1 की शुरुआत 3 जून 2022 को उद्घाटन सत्र के साथ हुई। प्रो. जी. रवींद्र कुमार, संयोजक, INSA मुंबई चैप्टर, BARC, मुंबई के INYAS सदस्य ने RuSETUP कार्यशाला का संक्षिप्त विवरण दिया है। प्रो. पी. मुखर्जी, BARC, मुंबई के INSA फेलो इस कार्यक्रम के सम्मानित अतिथि थे, जिन्होंने अपनी यात्रा साझा की और शिक्षकों से बच्चों को कठिन रास्ते पर चलने के लिए प्रेरित करने का आग्रह किया। प्रो. राजेंद्र एस. ढाका, अध्यक्ष, INYAS जूम प्लेटफॉर्म के माध्यम से शामिल हुए और दर्शकों को संबोधित किया। डॉ. विवेक पारकर, समन्वयक, INYAS मुंबई चैप्टर ने INYAS की यात्रा के संक्षिप्त विवरण के साथ-साथ INYAS की विभिन्न आउटरीच गतिविधियों के बारे में एक प्रस्तुति दी है।

उद्घाटन के बाद प्रोफेसर जयंत जोशी, मराठी विज्ञान परिषद, मुंबई द्वारा भौतिकी से संबंधित विषयों पर पहला प्रदर्शन किया गया। उन्होंने दिखाया कि कैसे दिन-प्रतिदिन उपलब्ध संसाधनों का उपयोग करके सरल प्रयोगों को डिज़ाइन किया जाए ताकि भौतिकी की अवधारणाओं को स्पष्ट रूप से प्रदर्शित किया जा सके। इसके बाद लंच सेशन हुआ। दोपहर के भोजन के बाद, शिक्षकों को एचबीसीएसई की अग्रिम प्रयोगशाला यात्राओं के लिए ले जाया गया। प्रयोगशाला के पहले दौरे में, शिक्षकों को गणित प्रयोगशाला में ले जाया गया, जहां प्रोफेसर आलोक कान्हेरे ने केंद्र में गणित शिक्षण के लिए विकसित विभिन्न मॉडलों को दिखाया और एक तार्किक और सरल दृष्टिकोण का उपयोग करके सरल अभिन्न और अंतर को कैसे हल किया जाए।

दिन 2 जीव विज्ञान पर सत्र के साथ शुरू हुआ जहां एचबीसीएसई से प्रो. विक्रांत घनेकर और प्रो. अनुपमा रोनाड ने सूक्ष्मदर्शी का उपयोग करके जीव विज्ञान के विभिन्न प्रयोगों का प्रदर्शन किया।

शिक्षकों को सूक्ष्मदर्शी का उपयोग करने, स्लाइड तैयार करने आदि पर हाथों-हाथ प्रशिक्षण दिया गया। बाद में शिक्षकों ने छात्रों के साथ आईआईटी बॉम्बे के प्रोफेसर अर्नब दत्ता, आईएनवाईएएस सदस्य और आईआईटी, बॉम्बे के प्रोफेसर प्रोफेसर अनिंद्य दत्ता द्वारा रसायन विज्ञान प्रदर्शनों में भाग लिया।

विभिन्न प्रकार के नमूनों के साथ सरल तकनीकों का उपयोग करते हुए अम्ल और क्षार वर्गीकरण दिखाया गया है। लंच ब्रेक के बाद, कनेक्टेड लर्निंग इनिशिएटिव (क्लिक्स) मॉड्यूल पर अंतिम सत्र TISS के INYAS सदस्य डॉ. शमीन पडलकर द्वारा लिया गया। प्रभावी शिक्षण और सीखने के लिए TISS द्वारा विकसित मॉड्यूल का उपयोग कैसे करें, इस पर शिक्षकों को HBCSE की कंप्यूटर लैब में प्रशिक्षण दिया गया है।

ग्रामीण विज्ञान शिक्षा प्रशिक्षण उपयोगिता कार्यक्रम (RuSETUP), IIT दिल्ली

INYAS ने अपने प्रमुख कार्यक्रम, ग्रामीण विज्ञान शिक्षा प्रशिक्षण उपयोगिता कार्यक्रम (RuSETUP) के तहत एक कार्यक्रम आयोजित किया। यह कार्यक्रम INYAS के NCR चैप्टर के सदस्यों द्वारा आयोजित किया गया था और INYAS, NASI और INSA स्थानीय चैप्टर द्वारा संयुक्त रूप से समर्थित था। आईआईटी दिल्ली में राजस्थान और हरियाणा के ग्रामीण/उप-शहरी क्षेत्रों के विज्ञान शिक्षकों को प्रेरित करने के लिए इस कार्यक्रम की थीम "समाज के लिए विज्ञान की त्रि-आयामी शिक्षा" थी।

रूरल साइंस एजुकेशन एंड ट्रेनिंग यूटिलिटी प्रोग्राम (RuSETUP) (INYAS फ्लैगशिप इवेंट) के तहत एक अन्य कार्यक्रम - इंडियन नेशनल यंग एकेडमी ऑफ साइंसेज (INYAS), इंडियन नेशनल साइंस एकेडमी -INSA, और द नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज के दिल्ली एनसीआर चैप्टर्स द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया। 9-10 जुलाई, 2022 के दौरान भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली के परिसर में विज्ञान, भारत (NASI)।

डॉ. कृष्णन वेद और डॉ. कल्पना नागपाल इस कार्यक्रम की समन्वयक और सह-समन्वयक थीं। प्रोफेसर अजॉय घटक (NASI अध्यक्ष और IIT दिल्ली में मानद प्रोफेसर भौतिकी), प्रो अनुराग शर्मा

(NASI उपाध्यक्ष, संयोजक NASI दिल्ली चैप्टर और IIT दिल्ली में एमेरिटस प्रोफेसर), प्रो निरंजन चक्रवर्ती (INSA दिल्ली चैप्टर संयोजक), और डॉ। राजेंद्र ढाका (अध्यक्ष, INYAS) ने उद्घाटन सत्र की शोभा बढ़ाई। श्री। दीपक शर्मा जी (2020 में विज्ञान और प्रौद्योगिकी लोकप्रियकरण में उत्कृष्ट प्रयासों के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता); INYAS सदस्य (रोहिणी गर्ग, मेहर वान, अली हैदर, राजेंद्र ढाका); NASI अध्येता (प्रो. मनोज सक्सेना और प्रो. प्रतिभा जॉली); और INYAS के पूर्व छात्र (पंकज बघेल और चारुलता) सूचनात्मक वार्ता/व्यावहारिक/प्रदर्शन/सत्रों के लिए संसाधन व्यक्ति थे। चार राज्यों दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हरियाणा और राजस्थान से विभिन्न स्कूलों के कुल 19 विज्ञान शिक्षकों ने ऑफ़लाइन मोड में कार्यक्रम में भाग लिया।

ग्रामीण विज्ञान शिक्षा और प्रशिक्षण उपयोगिता कार्यक्रम (RuSETUP)

INYAS ने 23 और 24 अगस्त, 2022 को G.I.C में अपने प्रमुख बैनर, ग्रामीण विज्ञान शिक्षा और प्रशिक्षण उपयोगिता कार्यक्रम (RuSETUP) का आयोजन किया। त्रियुगीनारायण, रुद्रप्रयाग, उत्तराखंड। यह कार्यक्रम संयुक्त रूप से INYAS और G.B द्वारा आयोजित किया गया था। पंत राष्ट्रीय हिमालयी पर्यावरण संस्थान (GBPNIHE), उत्तराखंड।

ग्रामीण विज्ञान शिक्षा और प्रशिक्षण उपयोगिता कार्यक्रम (RuSETUP)

इसके प्रमुख बैनर, ग्रामीण विज्ञान शिक्षा और प्रशिक्षण उपयोगिता कार्यक्रम (RuSETUP) के तहत एक और कार्यक्रम 20 अगस्त, 2022 को उच्च प्राथमिक विद्यालय, जाल्हूपुर, चिरईगांव, वाराणसी में आयोजित किया गया था।

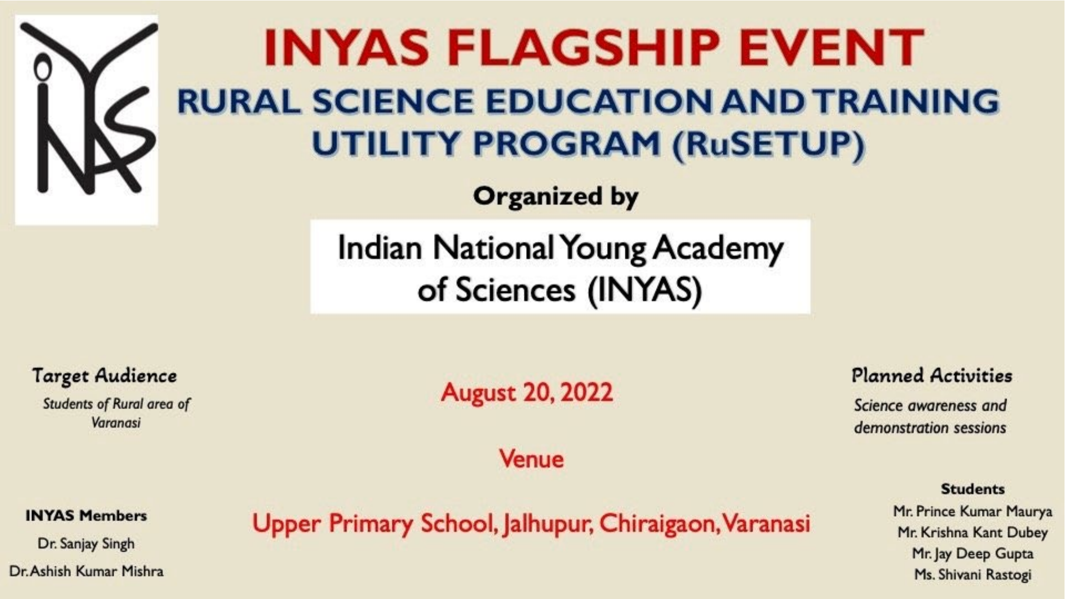

ग्रामीण विज्ञान शिक्षा और प्रशिक्षण उपयोगिता कार्यक्रम (RuSETUP)

यह कार्यक्रम मथुरा जिले के विज्ञान विद्यालय के शिक्षकों के लिए विज्ञान जागरूकता पैदा करने, विज्ञान के प्रति स्वभाव, शिक्षण में रचनात्मकता, विज्ञान संचार कौशल के लिए भी कई सफल आविष्कारों के साथ अद्यतन करने के लिए था।

ग्रामीण विज्ञान शिक्षा और प्रशिक्षण उपयोगिता कार्यक्रम (RuSETUP) - "मितव्ययी नवाचार: ग्रामीण स्वास्थ्य सेवा पर प्रभाव" पर कार्यक्रम

कोलकाता-भुवनेश्वर चैप्टर ने 02 जुलाई, 2022 को आईआईटी खड़गपुर में "इन-पर्सन" मोड में "मितव्ययी नवाचार: ग्रामीण स्वास्थ्य सेवा पर प्रभाव" विषय पर एक कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया। कार्यक्रम को INYAS और SERB द्वारा संयुक्त रूप से समर्थित किया गया था। इस कार्यक्रम में पश्चिम मेदिनीपुर (पश्चिम बंगाल) के ग्रामीण/उप-शहरी क्षेत्रों के 30 से अधिक स्कूली विज्ञान शिक्षकों ने भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. राजेंद्र ढाका (अध्यक्ष, INYAS) के एक स्वागत योग्य वीडियो नोट के साथ हुई और उसके बाद हमारे सम्मानित अतिथि, प्रो. सौमेन दास, (चेयरमैन, स्कूल ऑफ मेडिकल साइंस एंड टेक्नोलॉजी, IIT खारापुर) ने प्रस्तावना दी। इसके बाद डॉ. दिब्येंदु चटर्जी (सदस्य, INYAS) द्वारा क्षेत्रीय भाषा (बंगाली) में प्रस्तुति दी गई, जिसमें सामान्य रूप से INYAS की गतिविधियों और विशेष रूप से कोलकाता-भुवनेश्वर चैप्टर की गतिविधियों का सारांश दिया गया। विशेषज्ञ व्याख्यान बंगाली में प्रोफेसर सुमन चक्रवर्ती (डीन आर एंड डी, आईआईटी खड़गपुर) और प्रोफेसर ज्योतिर्मय चटर्जी (सलाहकार, बी.सी. रॉय मल्टीस्पेशलिटी मेडिकल कॉलेज, आईआईटी खड़गपुर) द्वारा आयोजित किए गए थे और शिक्षकों के साथ संवादात्मक चर्चा की गई थी। प्रो. सुमन चक्रवर्ती ने परिष्कृत और महंगे प्रयोगात्मक सेट-अप के उपयोग के बिना स्कूली छात्रों में वैज्ञानिक स्वभाव विकसित करने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। प्रो. ज्योतिर्मय चटर्जी ने स्कूलों में अंतःविषय और बहु-विषयक शिक्षा को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर चर्चा की। अपने व्याख्यान के माध्यम से, उन्होंने दिखाया कि कैसे विज्ञान के केवल एक अनुशासन की समझ विकसित करके मानव शरीर की जटिलताओं को हल नहीं किया जा सकता है। उन्होंने यह भी दिखाया कि कैसे हमारी प्राचीन शिक्षा और आयुर्वेद चिकित्सा के सिद्धांत धीरे-धीरे चिकित्सा विज्ञान की हमारी समझ को फिर से परिभाषित कर रहे हैं। विशेषज्ञ व्याख्यान के बाद डॉ. दिब्येंदु चटर्जी, डॉ. संदीप पॉल, डॉ. निशांत चक्रवर्ती और डॉ. बुधादित्य मुखर्जी द्वारा आयोजित एक इंटरैक्टिव सत्र आयोजित किया गया, जहां स्कूल के शिक्षकों ने सक्रिय रूप से भाग लिया, अपनी चिंताओं और सुझावों को साझा किया, जिसे अच्छी तरह से प्राप्त किया गया और नोट किया गया . दोपहर का सत्र आईआईटी खड़गपुर के जीवन विज्ञान भवन में डॉ. बुधादित्य मुखर्जी और उनकी टीम द्वारा समन्वित प्रयोगशाला प्रदर्शनों के लिए समर्पित था। इस कार्यक्रम का समन्वय कोलकाता-भुवनेश्वर चैप्टर के सदस्य डॉ. श्रीपर्णा चटर्जी, डॉ. कुतुबुद्दीन मोल्ला, डॉ. चिरश्री रॉय चौधरी, डॉ. दिब्येंदु चटर्जी, डॉ. संदीप पॉल और डॉ. निशांत चक्रवर्ती द्वारा किया गया।

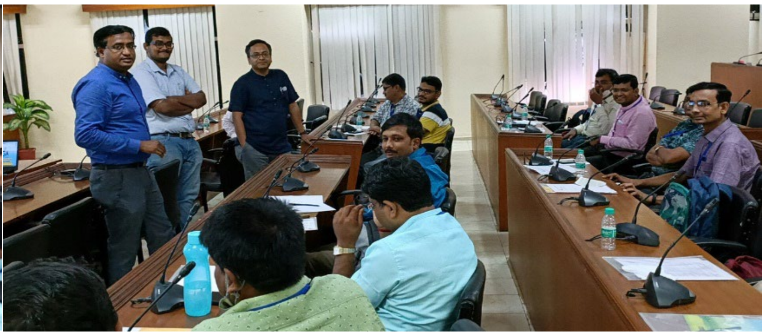

वैज्ञानिक डोमेन में महिलाएं (WiSDom)

विस्डम के तहत घटनाओं की एक श्रृंखला में स्कूल के शिक्षकों और छात्रों को प्रेरित करने के लिए कार्यक्रम शामिल थे, विन्यास सदस्यों द्वारा प्रेरक पिचें, एक प्रसिद्ध वक्ताओं की प्रेरणादायक यात्राएं और इन घटनाओं से कार्यवाही से श्वेत पत्र।

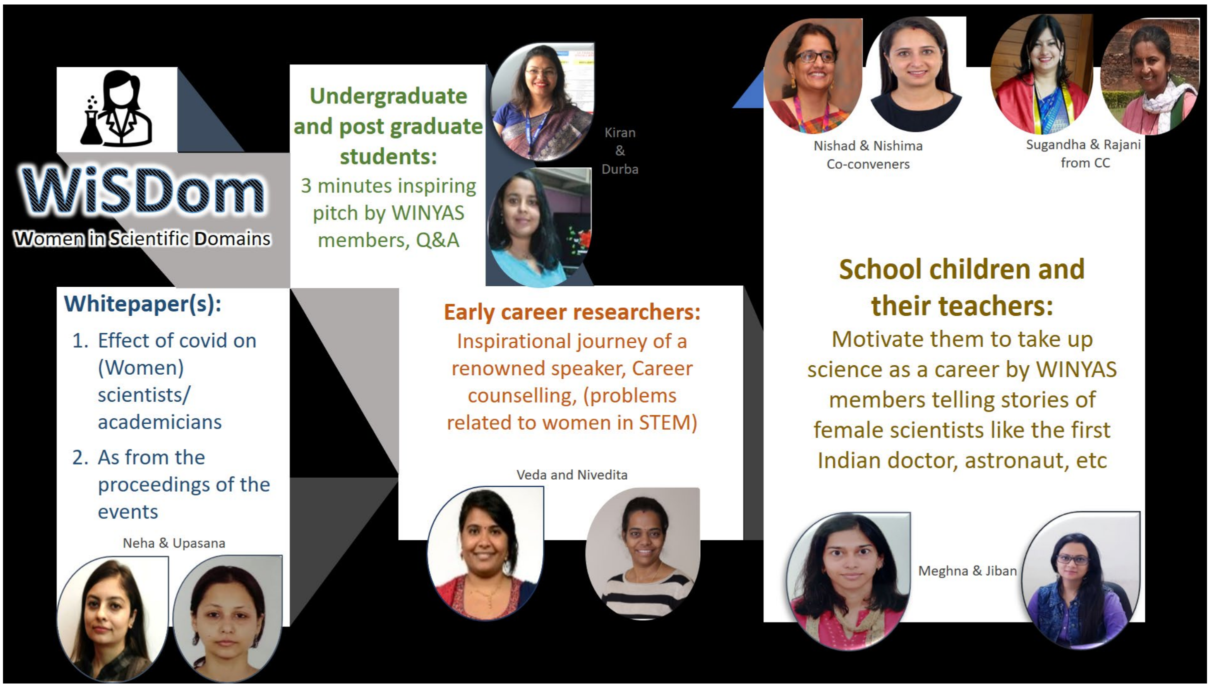

WiSDom फ्लैगशिप इवेंट के तहत "ट्रेल ब्लेज़र्स 3 मिनट पिच "

WiSDom फ्लैगशिप इवेंट के तहत, यह महिला वैज्ञानिकों की यात्रा पर 3 मिनट की पिचों का कोलाज है। स्कूल और कॉलेज के छात्रों के उद्देश्य से यह कार्यक्रम युवा ट्रेल ब्लेज़र की यात्रा, चुनौतियों और उपलब्धियों पर प्रकाश डालता है। इस कार्यक्रम में 12 महिला वैज्ञानिकों ने अपनी यात्रा के बारे में एलिवेटर (3 मिनट) पर बातचीत की, उसके बाद एक चर्चा सत्र आयोजित किया गया। डॉ. दीक्षा गुप्ता सम्मानित अतिथि थीं और उन्होंने संक्षेप में अपनी यात्रा के बारे में भी बात की। इस आयोजन का उद्देश्य युवा लड़कियों और लड़कों को विज्ञान में अपनी यात्रा में कदम उठाने के लिए प्रेरित करना और प्रेरित करना था।

युवा महिला वैज्ञानिकों के मार्ग का जश्न मनाने के लिए "ट्रेल ब्लेज़र्स 3 मिनट पिच" का आयोजन 13 जुलाई (शाम 4-6 बजे) को प्रमुख कार्यक्रम "वाईएसडीओएम" के तहत ऑनलाइन मोड के माध्यम से किया गया था। शानदार वैज्ञानिकों के एक कोलाज और उनके करियर के विभिन्न पहलुओं के साथ उनकी यात्रा को उजागर करना बहुत अच्छा था। हम आशा करते हैं कि यह अधिक युवा छात्रों - लड़कियों और लड़कों दोनों को उनके एसटीईएम करियर में प्रोत्साहित करेगा। डॉ. दीक्षा गुप्ता (सीनियर एसोसिएट डायरेक्टर-इंडिया स्ट्रैटेजी एंड ऑपरेशंस, अमेरिकन केमिकल सोसाइटी) इस कार्यक्रम में सम्मानित अतिथि थीं और उन्होंने अपनी सफलता की कहानी से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इन्यास के अध्यक्ष, डॉ. राजेंद्र ढाका भी शामिल हुए और उन्होंने इन्यास के तहत आयोजित प्रगति और विभिन्न गतिविधियों का अवलोकन किया।

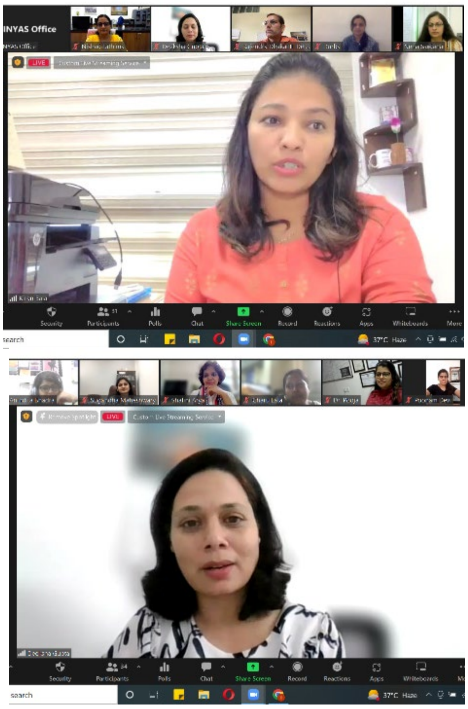

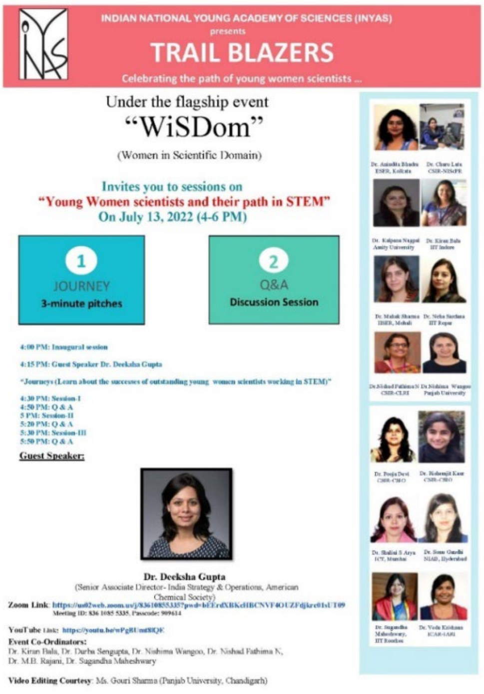

स्कूली बच्चों के लिए "भारत की प्रतिष्ठित महिला वैज्ञानिक" पर कार्यक्रम

इंडियन नेशनल यंग एकेडमी ऑफ साइंसेज (आईएनवाईएएस) ने 27 जुलाई, 2022 (बुधवार) को सुबह 10.30 बजे अपने फ्लैगशिप प्रोग्राम वाइएसडीओएम (वीमेन इन साइंटिफिक डोमेन) के तहत स्कूली बच्चों के लिए "आइकोनिक वूमेन साइंटिस्ट्स ऑफ इंडिया" वर्चुअल इवेंट का आयोजन किया।इस ऑनलाइन वेबिनार में, चार प्रतिष्ठित युवा वैज्ञानिक, जो INYAS सदस्य हैं, ने युवा स्कूली बच्चों, विशेषकर छात्राओं को प्रेरित करने के लिए सरल भाषा में भारत की प्रतिष्ठित महिला वैज्ञानिकों की प्रेरणादायक कहानियाँ साझा कीं। ये प्रतिष्ठित महिलाएं आइस-ब्रेकर थीं, अपने क्षेत्र में भारतीय/विदेशी विश्वविद्यालय से डॉक्टरेट प्राप्त करने वाली पहली महिला थीं। उन्होंने जिन कठिनाइयों का सामना किया और जिस असामान्य रास्ते को उन्होंने अपनाया उसने आने वाली पीढ़ियों के लिए मार्ग प्रशस्त किया और हम चाहते हैं कि छात्र इससे परिचित हों। आयोजन का अंतिम लक्ष्य विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित के क्षेत्र में महिलाओं द्वारा किए गए महान योगदान के बारे में युवा मन में जागरूकता बढ़ाना है, ताकि उन्हें एसटीईएम में अपना करियर बनाने के लिए प्रोत्साहित किया जा सके।

इस आयोजन की मुख्य अतिथि प्रोफेसर चंद्रिमा साहा थीं, जो एक प्रसिद्ध जीवविज्ञानी हैं और भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी (INSA) की अध्यक्ष बनने वाली पहली महिला हैं। पद्मश्री से सम्मानित प्रोफेसर रोहिणी गोडबोले मुख्य वक्ता थीं। वह एक प्रसिद्ध भौतिक विज्ञानी और एक मजबूत समर्थक हैं और उन्होंने एसटीईएम में महिलाओं के लिए लगातार काम किया है। इस कार्यक्रम ने भारत की चार अग्रणी महिला वैज्ञानिकों के जीवन को प्रदर्शित किया। हमने डॉ. विभा चौधरी, डॉ. कमला सोहोनी, डॉ. ई. के. जानकी अम्मल और डॉ. असीमा चटर्जी के बारे में प्रेरक कहानियाँ प्रस्तुत कीं। सभी महिलाएं उत्कृष्ट वैज्ञानिकों के उदाहरण के रूप में काम करती हैं, जिन्होंने ज्ञान और विज्ञान में करियर के लिए अपने जुनून का पालन करने के लिए कई सामाजिक और कार्यस्थल बाधाओं को पार किया। यह हमारी आशा है कि इन प्रतिष्ठित महिलाओं को न केवल कठिनाई की कहानियों के रूप में देखा जाएगा, बल्कि विज्ञान के भविष्य की आशा के रूप में भी देखा जाएगा।

आभासी-संवादात्मक कार्यशाला का शीर्षक - "WiSDom (वैज्ञानिक डोमेन में महिलाएं) कार्यशाला"

इंडियन नेशनल यंग एकेडमी ऑफ साइंसेज (आईएनवाईएएस) ने 13 अगस्त, 2022 को अपने प्रमुख कार्यक्रम - वाईएसडीओएम (वैज्ञानिक डोमेन में महिलाएं) के तहत श्रृंखला में तीसरा कार्यक्रम आयोजित किया - एक वर्चुअल-इंटरैक्टिव कार्यशाला - "वाईएसडीओएम (वैज्ञानिक डोमेन में महिलाएं) कार्यशाला"। शनिवार) सुबह 10.00 बजे से शाम 4.00 बजे तक।

उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि डॉ. अनंत रामकृष्णन (निदेशक, सीएसआईओ, चंडीगढ़) थे और सम्मानित अतिथि सुश्री एल्सा मैरी डी सिल्वा (रेड डॉट फाउंडेशन की संस्थापक और सीईओ) और रेड डॉट फाउंडेशन की संस्थापक थीं। सुश्री मीता राजीव लोचन (सदस्य सचिव, राष्ट्रीय महिला आयोग), प्रो. प्रतिभा जॉली (पीआई, डीएसटी-जीएटीआई), प्रो. जयंती दत्ता (एसोसिएट डायरेक्टर, एचआरडीसी, यूजीसी) जैसे अनुभवी संसाधन व्यक्तियों द्वारा चार अलग-अलग तकनीकी सत्रों का संचालन किया गया। , पंजाब विश्वविद्यालय) और प्रो. सुदेशना सिन्हा (उप निदेशक, आईआईएसईआर-मोहाली)। नेतृत्व की चुनौतियों और अवसरों में महिलाओं जैसे विभिन्न प्रासंगिक पहलू; करियर को आगे बढ़ाना, टीम बनाना और टिकाऊ साझेदारी; तकनीकी सत्रों में कार्यस्थल की चुनौतियों और कार्य-जीवन संतुलन पर गहन चर्चा की गई।

सारांश 2022: तीन मिनट थीसिस प्रतियोगिता का आयोजन

सारांश का दूसरा संस्करण: पीएचडी छात्रों के लिए तीन मिनट की थीसिस प्रतियोगिता सितंबर और दिसंबर 2022 के बीच एंटोन-पार इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के सहयोग से आयोजित की गई थी। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य नवोदित भारतीय वैज्ञानिकों की नई पीढ़ी को अपने काम को व्यापक दर्शकों तक पहुंचाने का अवसर प्रदान करना था, जिन्हें अपने शोध के क्षेत्र में बहुत कम या कोई ज्ञान नहीं है। यह कार्यक्रम भौतिक विज्ञान, गणितीय विज्ञान, रसायन विज्ञान, जीवन विज्ञान और इंजीनियरिंग विज्ञान के क्षेत्रों में किसी भी राज्य/केंद्रीय संस्थान या विश्वविद्यालय (भारत में) में पंजीकृत वरिष्ठ पीएचडी छात्रों के लिए खुला था। प्रतियोगिता के प्रारंभिक दौर के लिए कुल 137 प्रतिभागियों ने पंजीकरण कराया और अपनी प्रस्तुतियों को यूट्यूब पर अपलोड किया। इन प्रविष्टियों का मूल्यांकन INYAS जूरी सदस्यों (डॉ. संजय सिंह, डॉ. मणिल टी. मोहन, डॉ. जय प्रकाश और डॉ. प्रज्ञा भट्ट; डॉ. रमेंद्र सुंदर डे, डॉ. सुब्बैया अलवरप्पन, डॉ. निशिमा वांगू और डॉ. निशिमा वांगू) के एक पैनल द्वारा किया गया था। डॉ. अर्नब दत्ता, डॉ. चिराश्री रॉय चौधरी, डॉ. नेहा सरदाना, डॉ. अरित्रा सरकार और डॉ. प्रांजल चंद्रा, डॉ. कुतुबुद्दीन मोल्ला, डॉ. वेद कृष्णन, डॉ. कल्पना नागपाल और डॉ. अरुण कुमार जुगरान)। जूरी ने कुल 34 प्रतिभागियों (भौतिक विज्ञान; गणितीय विज्ञान: 7; रासायनिक विज्ञान: 6; जीवन विज्ञान: 11 और इंजीनियरिंग विज्ञान: 10) को शॉर्टलिस्ट किया।

प्रतियोगिता का अंतिम दौर तीन दिनों (17, 18 और 19 दिसंबर 2022) की अवधि में ज़ूम प्लेटफॉर्म का उपयोग करके लाइव वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित किया गया था। अंतिम दौर की जूरी में INYAS के पूर्व छात्र (डॉ. अनिंदिता भद्र, डॉ. निषाद फातिमा और डॉ. मिथुन पालित), विज्ञान संचार विशेषज्ञ (डॉ. हसन जावेद खान, संपादक, साइंस रिपोर्टर) और स्कूली विज्ञान शिक्षक (श्री राजेश पिस्ते, गोविंदराव हाई स्कूल, इचलकरंजी और श्री सत्यपाल सिंह, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय,

बुंदोइली खंड, रेवाड़ी) और INYAS सदस्य (डॉ. कुतुबुद्दीन मोल्ला, डॉ. संजय सिंह, डॉ. चिरश्री रॉयचौधरी और डॉ. रामेंद्र सुंदर डे और डॉ. चारुलता) . इस कार्यक्रम का समन्वयन डॉ. निशांत चक्रवर्ती और डॉ. मेहर वान ने किया।

नेशनल फ्रंटियर्स ऑफ़ साइंस मीटिंग (NatFoS 2022)

विचार-मंथन सत्रों की नेशनल फ्रंटियर्स ऑफ साइंसेज (NatFoS) श्रृंखला 2018 में सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार (PSA) के कार्यालय के समर्थन से शुरू हुई थी। भारत के, विज्ञान के विभिन्न विषयों के बीच एक स्वस्थ संवाद बनाने के लिए। चर्चाओं की इस श्रृंखला को यूएस नेशनल एकेडमी फ्रंटियर्स ऑफ साइंस मॉडल की तर्ज पर डिजाइन किया गया है, जिसमें 35-40 उत्कृष्ट युवा वैज्ञानिकों और इंजीनियरों को विशेषज्ञता के अपने क्षेत्र में रोमांचक प्रगति की प्रस्तुतियों के माध्यम से चर्चा, विचार-विमर्श और सहयोग करने के लिए एक साथ लाया गया है। अन्य वैज्ञानिक विषयों के अत्याधुनिक शोध के बारे में जानें। इन उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए, INYAS ने 13-15 मार्च 2022 तक परवाणू, हिमाचल प्रदेश में तीन दिवसीय आवासीय बैठक के रूप में NatFoS 2022 का आयोजन किया है। NatFoS 2022 में विज्ञान और समाज के लिए त्वरक, रोगाणुरोधी और टीके, नवीकरणीय ऊर्जा और भंडारण, कैंसर जीव विज्ञान पर सत्र हैं। & थेरानोस्टिक्स और हिंद महासागर कार्बन डायनेमिक्स इन ए चेंजिंग एनवायरनमेंट एंड वीमेन इन लीडरशिप। पिछले सत्र का आयोजन वर्ष 2020-2021 के लिए विज्ञान में महिलाओं पर भारत सरकार के फोकस को चिन्हित करने के उद्देश्य से किया गया था। NatFoS 2022 में चर्चा के केंद्रीय बिंदु के रूप में Covid-19 द्वारा वर्तमान महामारी को बनाए रखने के लिए संक्रामक रोगों पर एक विशेष सत्र भी शामिल है।

INYAS मध्य-वर्ष की बैठक: "सतत विकास के लिए बुनियादी विज्ञान और प्रौद्योगिकी (BSSD-2022)" पर तीन दिवसीय तकनीकी संगोष्ठी

सतत विकास के लिए बुनियादी विज्ञान के अंतर्राष्ट्रीय वर्ष और आज़ादी का अमृत महोत्सव के 75 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में, INYAS ने BARC और IIT, दिल्ली के सहयोग से "सतत विकास के लिए बुनियादी विज्ञान और प्रौद्योगिकी (BSSD-2022)" पर तीन दिवसीय तकनीकी संगोष्ठी का आयोजन किया। ” 16-18 सितंबर 2022 के दौरान डीएई कन्वेंशन सेंटर, अणुशक्तिनगर, मुंबई में।

INYAS-आउटरीच इवेंट्स-प्रशिक्षण और कार्यशालाएँ

अनुसूचित जाति समुदाय के छात्रों के लिए "बुनियादी आणविक जीव विज्ञान उपकरण और तकनीक पर व्यावहारिक प्रशिक्षण" पर राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम

3 से 5 मार्च, 2022 तक आईसीएआर-नेशनल रिसर्च सेंटर ऑन पिग, गुवाहाटी, असम, भारत ने "हैंड्स ऑन ट्रेनिंग प्रोग्राम ऑन बेसिक मॉलिक्यूलर बायोलॉजी टूल्स एंड टेक्निक्स" पर एक राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसे वित्त पोषित किया गया था। आईसीएआर-अनुसूचित जाति उप

योजना कार्यक्रम भारतीय राष्ट्रीय युवा विज्ञान अकादमी (आईएनवाईएएस) के सहयोग से। यह हैंड्स-ऑन प्रशिक्षण अनुसूचित जाति समुदाय के शोधकर्ताओं/छात्रों के लिए डिज़ाइन किया गया था जो अपने करियर को आगे बढ़ाने के साधन के रूप में बुनियादी और उन्नत आणविक जीव विज्ञान अनुसंधान में रुचि रखते हैं। भारत के विभिन्न राज्यों के 11 छात्र थे जो अनुसूचित जाति समुदाय के थे। प्रशिक्षण कार्यक्रम का समन्वयन INYAS के सदस्यों डॉ राजीव देब, वरिष्ठ वैज्ञानिक, आईसीएआर-नेशनल रिसर्च सेंटर ऑन पिग, गुवाहाटी, असम और डॉ पंकज बाराह, सहायक प्रोफेसर, तेजपुर विश्वविद्यालय, असम द्वारा किया गया था।

जीवविज्ञान में बिग डेटा विश्लेषण और एकीकरण पर कार्यशाला (उच्च अंत कार्यशाला)

INYAS ने 21-25 मार्च, 2022 के दौरान "बिग डेटा एनालिसिस एंड इंटीग्रेशन इन बायोलॉजी" पर SERB कार्यशाला का आयोजन किया है। इस वर्कशॉप का मुख्य उद्देश्य छात्रों को बायोलॉजी में मशीन लर्निंग के उभरते क्षेत्रों से परिचित कराना है। कार्यशाला में लगभग 50-60 छात्रों ने भाग लिया जिसमें जीनोमिक्स, सीक्वेंसिंग प्लेटफॉर्म, डेटा प्रारूप, आर का परिचय, जीन एक्सप्रेशन डेटा विश्लेषण, लंबे गैर-कोडिंग आरएनए की एमएल आधारित भविष्यवाणी, जैविक नियामक नेटवर्क विश्लेषण, फसलों में जीनोम संपादन पर व्याख्यान शामिल थे। फसलों में फेनोमिक्स, संसाधन व्यक्तियों (डॉ. रोहिणी गर्ग, डॉ. गीतांजलि यादव, डॉ. पंकज बराह, प्रो. मुकेश जैन, डॉ. मोहित कुमार जॉली, डॉ. कुतुबुद्दीन मोल्ला, डॉ. दुर्बा सेनगुप्ता) द्वारा दवा-प्रोटीन की बातचीत के बाद हाथ से -ऑन-सत्र।

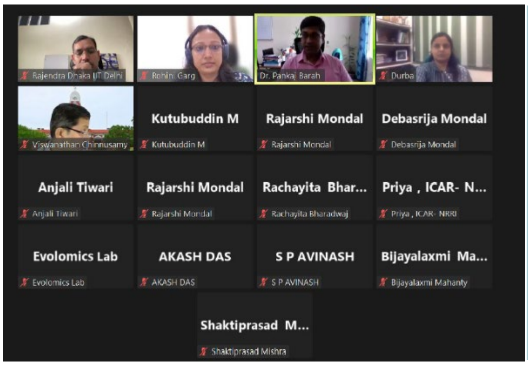

वैज्ञानिक संचार पर कार्यशाला (ऑनलाइन)

"बाहरी दुनिया" बनाने वाले दर्शकों की व्यापक श्रेणी के साथ विज्ञान का संचार करना स्वयं का एक विज्ञान है, और वैज्ञानिक संचार से बहुत अलग है जो सम्मेलनों, अनुसंधान कार्यशालाओं और सहकर्मी-समीक्षित प्रकाशनों के माध्यम से होता है। दरअसल, वैज्ञानिक संचार का उपयोग ज्यादातर वैज्ञानिक पत्रों, तकनीकी रिपोर्टों, सम्मेलनों में प्रस्तुतियों और अनुदान आवेदनों के माध्यम से शोधकर्ताओं, वैज्ञानिकों और तकनीकी विशेषज्ञों के दर्शकों के लिए नए वैज्ञानिक ज्ञान को संप्रेषित करने के लिए किया जाता है। दूसरी ओर, विज्ञान संचार दर्शकों की एक विस्तृत श्रृंखला के साथ संवाद करने से संबंधित है जो आम जनता को सूचना देने, शिक्षित करने और विज्ञान से संबंधित विषयों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए बनाता है। डॉ. ढाका और डॉ. जेवरिया, INYAS ने छात्रों को विज्ञान संचार के लिए प्रशिक्षित करने के लिए 25 से 26 मार्च, 2022 के दौरान "वैज्ञानिक संचार पर कार्यशाला" का एक ऑनलाइन कार्यक्रम आयोजित किया है।

"पशुधन रोगों के लिए आणविक नैदानिक उपकरण पर प्रशिक्षण और अध्ययन गाइड" पर उच्च स्तरीय कार्यशाला (कार्यशाला)

5 जुलाई से 18 जुलाई, 2022 तक, गुवाहाटी, असम में आईसीएआर-नेशनल रिसर्च सेंटर ऑन पिग ने "पशुधन रोगों के लिए आणविक नैदानिक उपकरणों पर प्रशिक्षण और अध्ययन गाइड" पर 14-दिवसीय उच्च स्तरीय कार्यशाला (कार्यशाला) कार्यक्रम का आयोजन किया। जिसे त्वरित विज्ञान योजना, विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड, भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित किया गया था। कार्यक्रम का आयोजन INYAS के सदस्यों डॉ राजीव देब, वरिष्ठ वैज्ञानिक और डॉ पंकज बाराह, सहायक प्रोफेसर द्वारा किया गया था। कार्यशाला में देश भर के 25 स्नातकोत्तर, पीएचडी और पोस्टडॉक्टोरल विद्वानों ने भाग लिया। सभी छात्रों को पशुधन रोगों के लिए नैदानिक तरीकों के विकास के लिए प्रासंगिक विभिन्न आणविक और जैव सूचनात्मक उपकरणों का उपयोग करने का मौका मिला।

हालांकि हाथों-हाथ अभ्यास, इस पाठ्यक्रम ने मुख्य रूप से प्रतिभागियों को पशुधन रोगों के प्रारंभिक निदान के विभिन्न आणविक तरीकों से परिचित कराया। पढ़ने के बजाय करने पर जोर दिया जाता है। प्रतिभागियों के लाभ के लिए लाइव/ऑनसाइट प्रदर्शन किया जाएगा। यह प्रशिक्षण कॉलेज और रोजगार के बीच एक कौशल अंतर को भरने में आणविक जीव विज्ञान में नए कैरियर के अवसर तलाशने वालों की सहायता करता है।

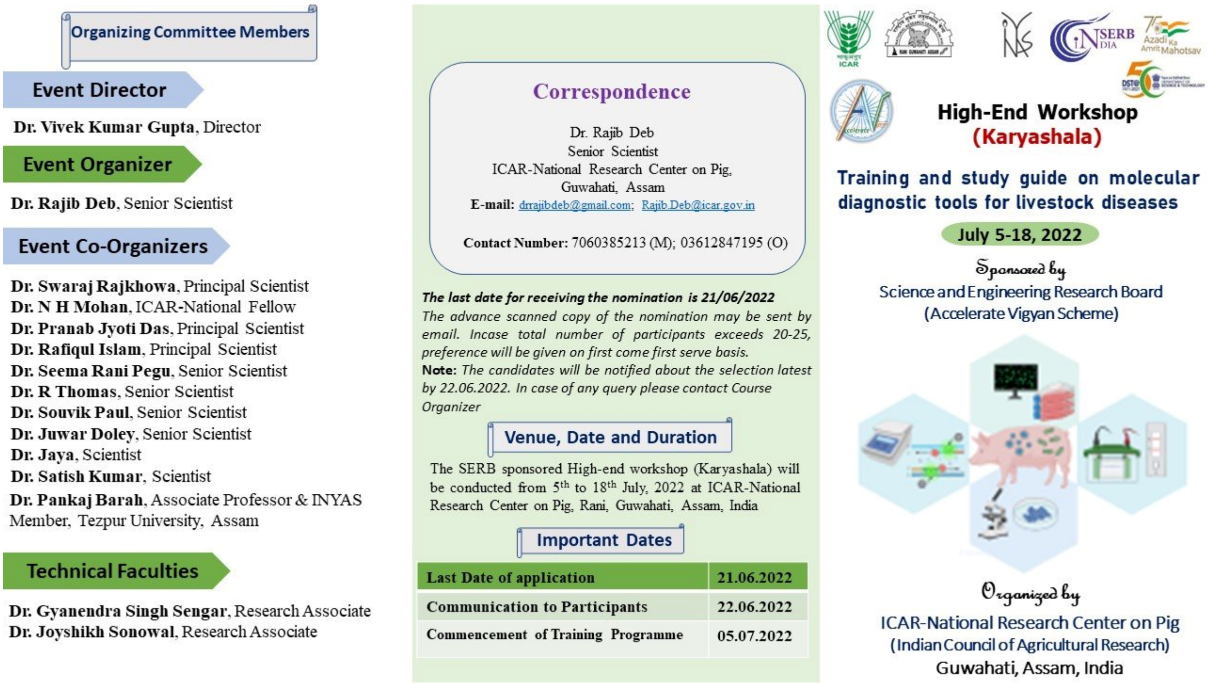
Organizing Committee Members

Event Director

Dr. Vivek Kumar Gupta, Director

Event Organizer

Dr. Rajib Deb, Senior Scientist

Event Co-Organizers

Dr. Swaraj Rajkhowa, Principal Scientist
Dr. N H Mohan, ICAR-National Fellow
Dr. Pranab Jyoti Das, Principal Scientist
Dr. Rafiqul Islam, Principal Scientist
Dr. Seema Rani Pegu, Senior Scientist
Dr. R Thomas, Senior Scientist
Dr. Souvik Paul, Senior Scientist
Dr. Juwar Doley, Senior Scientist
Dr. Jaya, Scientist
Dr. Satish Kumar, Scientist
Dr. Pankaj Barah, Associate Professor & INYAS Member, Tezpur University, Assam

Technical Faculties

Dr. Gyanendra Singh Sengar, Research Associate
Dr. Joyshikh Sonowal, Research Associate

Correspondence

Dr. Rajib Deb
Senior Scientist
ICAR-National Research Center on Pig,
Guwahati, Assam
E-mail: drrajibdeb@gmail.com; Rajib.Deb@icar.gov.in

Contact Number: 7060385213 (M); 03612847195 (O)

The last date for receiving the nomination is 21/06/2022
The advance scanned copy of the nomination may be sent by email. Incase total number of participants exceeds 20-25, preference will be given on first come first serve basis.
Note: *The candidates will be notified about the selection latest by 22.06.2022. In case of any query please contact Course Organizer*

Venue, Date and Duration

The SERB sponsored High-end workshop (Karyashala) will be conducted from 5th to 18th July, 2022 at ICAR-National Research Center on Pig, Rani, Guwahati, Assam, India

Important Dates

Last Date of application	21.06.2022
Communication to Participants	22.06.2022
Commencement of Training Programme	05.07.2022

High-End Workshop
(Karyashala)

Training and study guide on molecular diagnostic tools for livestock diseases

July 5-18, 2022

Sponsored by
Science and Engineering Research Board
(Accelerate Vigyan Scheme)

Organized by
ICAR-National Research Center on Pig
(Indian Council of Agricultural Research)
Guwahati, Assam, India

अक्षय ऊर्जा पर कार्यशाला (हाई-एंड वर्कशॉप): उत्पादन और भंडारण

INYAS ने 24-30 सितंबर, 2022 को IIT रोपड़, पंजाब में प्रेरित मास्टर और पीएचडी छात्रों के लिए अक्षय ऊर्जा: उत्पादन और भंडारण पर कार्यशाला (उच्च अंत कार्यशाला) का आयोजन किया।

"इन्यास के साथ भविष्य के विज्ञान के प्रति उत्साही का निर्माण करें"

डिपार्टमेंट ऑफ बायोसाइंसेज एंड बायोमेडिकल इंजीनियरिंग, आईआईटी इंदौर और इंडियन नेशनल यंग एकेडमी ऑफ साइंसेज (आईएनवाईएएस) ने संयुक्त रूप से 12 दिसंबर से 17 दिसंबर तक "माइक्रोबियल बायोमास एंड बायोप्रोडक्ट्स कैरेक्टराइजेशन यूजिंग हाई एंड इंस्ट्रूमेंट्स" पर 6-दिवसीय एक्टिव लर्निंग और हैंड्स-ऑन वर्कशॉप का आयोजन किया। कार्यशाला योजना के तहत IIT इंदौर में

ऑफलाइन मोड में दिसंबर 2022- SERB, सरकार द्वारा एक पहल। भारत की। . माइक्रोबियल (सूक्ष्म शैवाल, सायनोबैक्टीरिया और बैंगनी बैक्टीरिया) की खेती, लक्षण वर्णन और संबंधित उपकरण तकनीकों में रुचि रखने वाले प्रतिभागियों के तकनीकी ज्ञान को व्यापक बनाने के लिए कार्यशाला का आयोजन किया गया था। कार्यशाला में विज़ुअलाइज़ेशन, पहचान, खेती और विभिन्न माइक्रोबियल उपभेदों के रखरखाव के बारे में तकनीकी सत्र शामिल थे। इस कार्यशाला के माध्यम से, प्रतिभागियों ने एचपीएलसी, जीसी-एमएस, और ऑप्टिकल माइक्रोस्कोपी जैसे विश्लेषणात्मक उपकरणों के नमूना तैयार करने और तकनीकी पहलुओं पर ज्ञान प्राप्त किया। उन्होंने यूवी-विज़िबल स्पेक्ट्रोस्कोपी के माध्यम से माइक्रोबियल बायोमास के पूर्ण जैव रासायनिक प्रोफाइलिंग (कुल लिपिड, प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट) में भी भाग लिया। प्रतिभागियों को IIT इंदौर में परिष्कृत उपकरण सुविधा (SIC) के दौरे के लिए भी ले जाया गया और उन्हें NMR स्पेक्ट्रोस्कोपी, कन्फोकल और इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी,

LC-MS और GC-MS विश्लेषण से परिचित कराया गया। 25 प्रतिभागी, अपने M. Sc का अनुसरण कर रहे हैं। और पीएचडी डिग्री, पूरे भारत के विभिन्न संस्थानों से चुने गए जिनमें राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय, एसआरएम विश्वविद्यालय, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, एम्स भोपाल, श्री वैष्णव विद्यापीठ विश्वविद्यालय, गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, गुरु जम्भेश्वर विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, सावित्रीबाई शामिल हैं। फुले पुणे विश्वविद्यालय, उका तरसाडिया विश्वविद्यालय, आईआईटी इंदौर, नीरी जोनल सेंटर हैदराबाद, महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय और दिल्ली विश्वविद्यालय। उद्घाटन सत्र 12 दिसंबर 2022 को IIT इंदौर में उद्घाटन सत्र का आयोजन किया गया। IIT इंदौर के भीतर और बाहर के प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों द्वारा विशेषज्ञ व्याख्यान दिए गए, IIT इंदौर से प्रो. पराशरम एम. शिरागे, IIT इंदौर से डॉ. अभिजीत जोशी, डॉ. मणिवन्नन डीएवीवी इंदौर से एलंगोवन, आईआईटी इंदौर से डॉ. हेम चंद्र झा और डीआरडीओ, नई दिल्ली से डॉ. प्रीतम सांगवान।

IISc और INYAS दो दिवसीय कार्यशाला

DST-CPR, IISc और INYAS ने संयुक्त रूप से भारत में अनुसंधान मूल्यांकन प्रक्रिया की ताकत और कमजोरियों पर विचार-विमर्श करने के लिए दो दिवसीय कार्यशाला (24-25 जून 2022) का आयोजन किया। लगभग 40 शुरुआती और मध्य-कैरियर के शोधकर्ताओं (INYAS सदस्यों और पूर्व छात्रों) ने कार्यशाला में भाग लिया।

प्रतिभागियों ने अंतःविषय और संस्थागत संदर्भों को ध्यान में रखते हुए मूल्यांकन प्रक्रिया के पुनर्मूल्यांकन की आवश्यकता पर बल दिया, मात्रात्मक और गुणात्मक मेट्रिक्स के बीच बेहतर संतुलन, और मेट्रिक्स को शामिल करना जो समाज पर विज्ञान के प्रभाव पर विचार करते हैं।

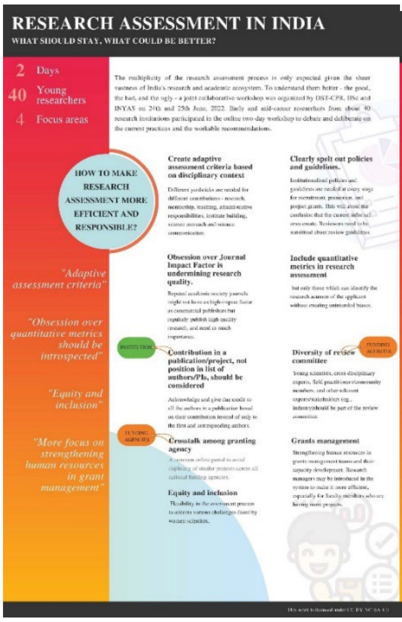

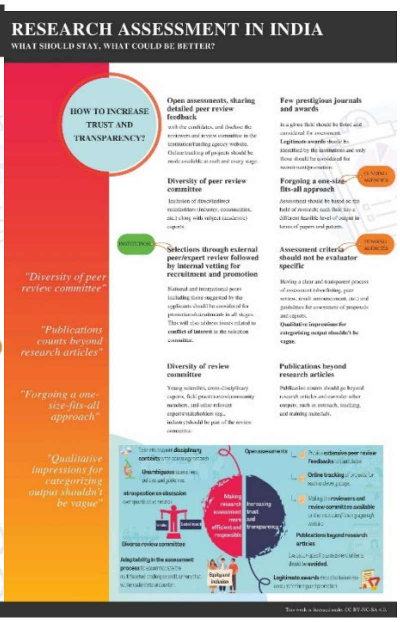

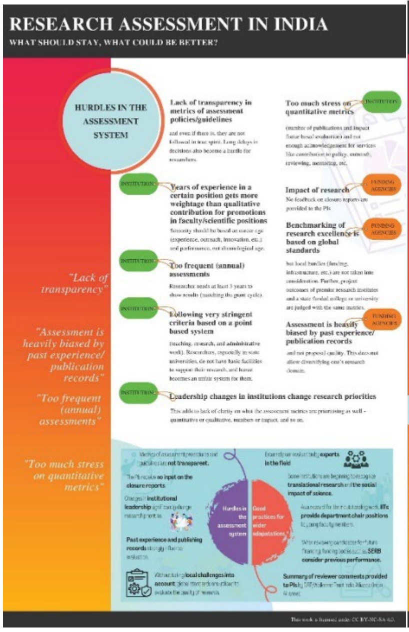

जीनोम एडिटिंग पर ग्लोस्टेम और INYAS 7-दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला-सह-वेबिनार

ग्लोस्टेम और INYAS ने जीनोम एडिटिंग पर 7-दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला-सह-वेबिनार का आयोजन किया। यह आयोजन 27 जून, 2022 से 03 जुलाई, 2022 (शाम 6:00 बजे से रात 8:00 बजे) तक ऑनलाइन आयोजित किया गया था।

"रिमोट सेंसिंग और जीआईएस प्रौद्योगिकियों का उपयोग कर पुरातत्व और सांस्कृतिक विरासत अनुसंधान" पर कार्यशाला

18-22 जुलाई 2022 के दौरान "रिमोट सेंसिंग और जीआईएस प्रौद्योगिकियों का उपयोग करके पुरातत्व और सांस्कृतिक विरासत अनुसंधान" नामक एक सप्ताह तक चलने वाली कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में विशेषज्ञों द्वारा व्याख्यान, डेमो और व्यावहारिक सत्र आयोजित किए गए। मामले के अध्ययनों के माध्यम से प्रदर्शित पुरातत्व के लिए रिमोट सेंसिंग और जीआईएस] पुरातत्व, भूदृश्य आकृति विज्ञान, ऑप्टिकल/रडार/लिडार डेटा अनुप्रयोगों को शामिल किया गया था। इस कार्यशाला के प्रतिभागी भारत भर के विश्वविद्यालयों के शिक्षण संकाय, शोधकर्ता और छात्र हैं; उनमें से 30 का चयन ओपन कॉल के माध्यम से प्राप्त 100 से अधिक आवेदनों में से किया गया है। कार्यशाला का उद्घाटन इसरो के पूर्व अध्यक्ष डॉ.ए.एस.किरण कुमार ने किया, जिन्होंने बहुत ही प्रेरक उद्घाटन

भाषण दिया। हमारे पास आईआईआरएस, देहरादून की डॉ. शेफाली अग्रवाल, एसएसी अहमदाबाद के हृषिकेश कुमार, आईआईटी कानपुर के डॉ. जावेद मलिक, आईआईटी गांधीनगर की डॉ. एकता गुप्ता और डॉ. कुइली सुगन्या; साथ ही एनआईएएस संकाय के सदस्य डॉ.पी.जी.दिवाकर और डॉ.एम.बी.रजनी। एनआईएएस के अनुसंधान सहयोगियों (ऐश्वर्या म्हस्के, गौरव पाल, शुभी मिश्रा, आर्य एस प्रदीप और मिथराय हर्षवर्धन) द्वारा व्यावहारिक सत्र आयोजित किए गए। कार्यशाला का समापन डॉ. शैलेश नायक, निदेशक, एनआईएएस, बैंगलोर के समापन भाषण के साथ हुआ।

एनआईएएस, बंगलौर में 3डी लैंडस्केप

डॉ एमबी रजनी, INYAS ने 21 मार्च से 25 मार्च, 2022 के दौरान NIAS, बैंगलोर में एक कार्यक्रम "3D लैंडस्केप्स" का आयोजन किया है, जिसमें शोधकर्ताओं को हाथों-हाथ सत्रों के साथ डिजिटल कौशल में प्रशिक्षित किया जाएगा; विरासत अध्ययन के लिए रिमोट सेंसिंग और जीआईएस विश्लेषण के क्षेत्र में अनुसंधान समुदाय का विस्तार करना

स्वास्थ्य देखभाल अनुसंधान में हाल के रुझानों पर विज्ञान जागरूकता कार्यशाला

डॉ. कल्पना नागपाल ने विवेकानंद ऑडिटोरियम, गुरुग्राम ग्लोबल कॉलेज ऑफ फार्मेसी, 5 किलोमीटर माइलस्टोन, खेड़ा खुरमपुर, फर्रुखनगर गुड़गांव (हरियाणा)-12250 में हेल्थकेयर रिसर्च में हालिया रुझानों पर विज्ञान जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया है। यह कार्यशाला बी फार्मेसी तृतीय और चतुर्थ वर्ष के छात्रों के लिए लक्षित थी। निम्नलिखित 5 वक्ता थे 1. डॉ. पंकज के बघेल (वैज्ञानिक-एफ, इंटर-यूनिवर्सिटी एक्सेलेरेटर सेंटर, दिल्ली), 2. डॉ. चारु लता (वैज्ञानिक, सीएसआईआर- राष्ट्रीय विज्ञान संचार संस्थान), 3. डॉ. मिंकल टुटेजा, (एसोसिएट प्रोफेसर, गुरुग्राम ग्लोबल कॉलेज ऑफ फार्मेसी, फर्रुखनगर, गुरुग्राम), 4. डॉ. वेदा कृष्णन, वैज्ञानिक, आईसीएआर-इंडियन एग्रीकल्चरल रिसर्च इंस्टीट्यूट (वर्चुअली) और 5. डॉ. कल्पना नागपाल (एसोसिएट प्रोफेसर, एमिटी यूनिवर्सिटी, नोएडा।

स्कूली छात्रों के लिए फन विद इलेक्ट्रॉनिक्स एंड रोबोटिक्स वर्कशॉप"

यूरेका साइंस क्लब, सिंधुदुर्ग ने INYAS, मुंबई चैप्टर के सहयोग से "फन विद इलेक्ट्रॉनिक्स एंड रोबोटिक्स वर्कशॉप फॉर स्कूल स्टूडेंट्स" का आयोजन किया - पूरी तरह से प्रैक्टिकल और इनोवेटिव आइडिया पर आधारित वर्कशॉप यूरेका साइंस सेंटर, सिंधुदुर्ग द्वारा विद्या में दो दिवसीय बेसिक इलेक्ट्रॉनिक्स और रोबोटिक्स वर्कशॉप का आयोजन किया गया 31 अक्टूबर और 1 नवंबर 2022 को INYAS, मुंबई चैप्टर के सहयोग से निकेतन कॉन्वेंट स्कूल सिंधुदुर्गा, महाराष्ट्र। श्री भूषण पंगम और उनकी टीम ने छात्रों का मार्गदर्शन किया। दो दिनों में चार सत्र हुए। 31 अक्टूबर 2022 को पहली से चौथी कक्षा के विद्यार्थियों के लिए पहला और दूसरा सत्र सुबह 10:00 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक लिया गया। छात्रों को दो के समूह में इलेक्ट्रॉनिक्स किट दिए गए और उन्होंने हाथों-हाथ प्रशिक्षण के माध्यम से प्रतिरोध, एलईडी, डायोड, सेंसर, चुंबकीय सेंसर, बजर, बैटरी के सकारात्मक और नकारात्मक टर्मिनल आदि का कार्य सीखा। इसमें विभिन्न विद्यालयों के 50 विद्यार्थियों ने भाग लिया। उन्होंने इस बारे में

अवधारणाओं को सीखा कि सर्किट बोर्डों का उपयोग करके वाटर पंप के साथ पानी कैसे आता है, आईआर सेंसर का उपयोग करके टचलेस डोरबेल आदि। छात्रों ने विभिन्न सर्किटों को भी इकट्ठा किया। उनके साथ कई इनोवेटिव आइडियाज पर भी चर्चा हुई। दूसरे दिन 1 नवंबर 2022 को कक्षा 5वीं से 10वीं कक्षा के विद्यार्थियों के लिए सत्र आयोजित किए गए। इसमें करीब 85 प्रतिभागी शामिल हुए। स्टूडेंट्स ने अपने कई इनोवेटिव आइडियाज शेयर किए। साथ ही उनकी शंकाओं का समाधान भूषण सर ने किया। दोनों सत्रों का छात्रों और शिक्षकों ने आनंद लिया।

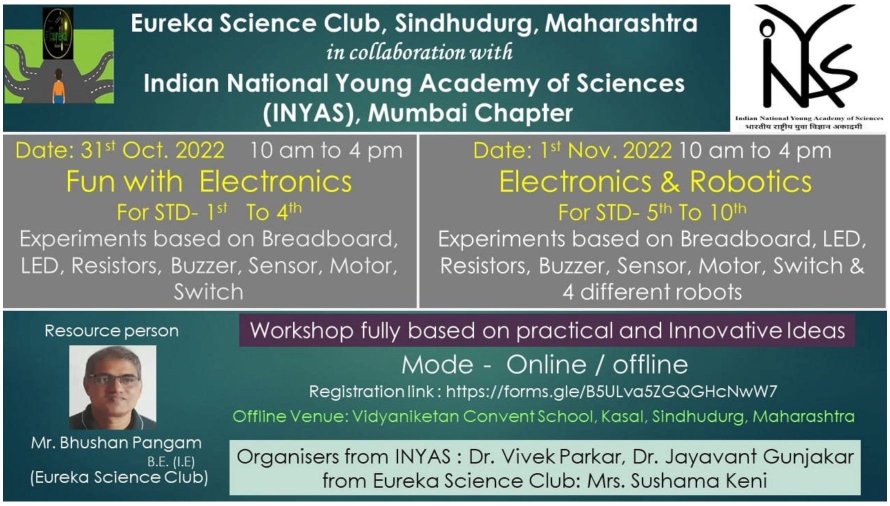

रिसर्च मेथडोलॉजी के बेसिक्स पर सम्मेलन

INYAS द्वारा सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ पंजाब, बठिंडा और AIIMS, बठिंडा के सहयोग से 03 दिसंबर 2022 को ऑफलाइन और ऑनलाइन मोड में रिसर्च मेथडोलॉजी के बेसिक्स पर एक सम्मेलन आयोजित किया गया था।

महिलाओं के साथ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी का सशक्तिकरण - एक नए युग की ओर एक कदम जोधपुर में आयोजित

डॉ. रितु गुप्ता द्वारा 19-20 अप्रैल 2022 के दौरान आयोजित कार्यशाला में स्थायी वैज्ञानिक और तकनीकी विकास की दिशा में लैंगिक समानता को बढ़ावा देने के लिए एक दिलचस्प दृष्टिकोण पर ध्यान केंद्रित किया गया। यह आयोजन रसायन, जीवन विज्ञान, सामग्री इंजीनियरिंग के सभी आधुनिक क्षेत्रों पर केंद्रित होगा, जिसमें बहु-विषयक क्षेत्र भी शामिल हैं। यह अनूठा जमावड़ा देश भर की महिला वैज्ञानिकों को

मिलने और विचारों के आदान-प्रदान में शामिल होने, स्थायी नेटवर्क बनाने और अनुसंधान सहयोग का पता लगाने का अवसर प्रदान करेगा। नतीजतन, यह युवा महिलाओं के लिए एसएंडटी में उनकी भागीदारी के लिए एक रोडमैप तैयार करेगा और एसटीईएम में अपने करियर को आगे बढ़ाने में रुचि रखने वालों के लिए एक प्रेरणादायक वातावरण तैयार कर सकता है।

"इन्यास के साथ भविष्य के विज्ञान उत्साही बनाएँ"

तीन दिवसीय (नवंबर 26-28, 2022) कार्यशाला - "भविष्य के विज्ञान के प्रति उत्साही INYAS का निर्माण करें" का आयोजन INYAS द्वारा IIT दिल्ली के भौतिकी विभाग में NASI और INSA के सहयोग से ग्रामीण छात्रों के लाभ के लिए किया गया था। फेलोशिप मार्गदर्शन, आगामी प्रौद्योगिकियों के संपर्क में, अत्याधुनिक सुविधाओं का दौरा और प्रयोगों पर हाथ। कार्यशाला में स्वामी विवेकानंद स्कूल, मुंडवा, राजस्थान के सत्रह छात्रों (10 लड़के और 7 लड़कियों) और तीन शिक्षकों ने भाग लिया। पहले दिन की शुरुआत पंजीकरण के साथ हुई, जिसके बाद उद्घाटन सत्र हुआ, जहां डॉ. राजेंद्र ढाका (अध्यक्ष, INYAS) ने कार्यशाला की उत्पत्ति और INYAS के जनादेश के साथ-साथ दूरदर्शिता पर प्रकाश डाला। प्रोफेसर अनुराग शर्मा (आईआईटीडी), उपाध्यक्ष एनएएसआई ने छात्रों के साथ बातचीत की और उच्च शिक्षा में विज्ञान को बढ़ावा देने के महत्व पर प्रकाश डालते हुए एक प्रेरक सह प्रस्तुत किया। बाद के सत्र में छात्रों का उत्साह चरम पर था, जो डॉ. चारु लता (सीएसआईआर-एनआईएससीपीआर) द्वारा "बैक टू अवर रूट्स एंड द साइंस बिहाइंड" पर एक इंटरैक्टिव क्विज था। तीसरा सत्र डॉ. अली हैदर द्वारा "ऊर्जा और समाज" पर था जहां उन्होंने नैनो तकनीक की मूल बातों को छुआ। पहले दिन के दूसरे भाग की शुरुआत प्रो. एस. के. साहा (आईआईटीडी) द्वारा "ग्रामीण से रोबोटिक्स" पर ब्रीफिंग के साथ हुई, इसके बाद आरयूटीएजी और रोबोटिक्स लैब का दौरा किया। छात्रों को RuTAG और रोबोटिक प्रोग्राम के तहत IIT-दिल्ली में विकसित आवश्यकता-आधारित नवाचारों को देखने का अवसर मिला। प्रो. विवेक कुमार (CRDT, IITD) की टीम के सदस्यों द्वारा उन्नत भारत अभियान (UBA) की बायोगैस और वेस्ट टू वेल्थ लैब के दौरे के साथ दिन 1 समाप्त हुआ। दूसरे दिन की शुरुआत डॉ. उमेश शर्मा (डीएसटी-इंस्पायर) और डॉ. अखिलेश मिश्रा (डीएसटी) के साथ बातचीत के

साथ हुई, जहां उन्होंने छात्रों के लिए विभिन्न फेलोशिप के अवसरों पर चर्चा की। दिन 2 डॉ. पंकज (आईयूएसी दिल्ली) द्वारा त्वरक प्रदर्शन, सुपरकंडक्टिविटी, बैटरी, डॉ. राजेंद्र ढाका (आईआईटी दिल्ली) द्वारा शेप मेमोरी और समूह, जीव विज्ञान के चमत्कार - डीएनए अलगाव, डॉ. रोहिणी द्वारा फोल्डस्कोप जैसे प्रयोगों पर केंद्रित था। गर्ग (शिव नादर आईओई) और पोषण के रसायन - प्राकृतिक संकेतक और पीएच, स्वास्थ्य के लिए पोषक तत्व डॉ. वेदा कृष्णन (आईसीएआर-आईएआरआई) द्वारा। दूसरे दिन का समापन राष्ट्रीय विज्ञान केंद्र के दौरे के साथ हुआ। तीसरा दिन आईसीएआर-आईएआरआई में अत्याधुनिक सुविधाओं का दौरा करने के लिए समर्पित था। डॉ. वेदा कृष्णन और डॉ. शिवानी (आईएआरआई-फिजियोलॉजी) ने जीनोमिक्स के खोज केंद्र में विभिन्न उपकरणों को दिखाया और समझाया। इसके अलावा डॉ. राजीव रंजन (आईएआरआई-कृषि भौतिकी) ने डिस्कवरी सेंटर-ड्रोन और बड़े डेटा विश्लेषण पर जाने और समझाने में सहायता की। छात्रों ने ड्रोन के विभिन्न कृषि-आधारित अनुप्रयोगों पर सक्रिय रूप से चर्चा की। इसके अलावा आईएआरआई-फेनोमिक्स सुविधा का दौरा जारी रखा गया और डॉ. सुधीर (आईएआरआई-फिजियोलॉजी) ने विभिन्न अनुसंधान अनुप्रयोगों के लिए पौधों के सेंसर-आधारित फेनोटाइपिंग के बारे में विस्तार से बताया। कार्यशाला समापन सत्र के साथ समाप्त

"हरित ऊर्जा संचयन और भंडारण: सामग्री, विधियाँ और अनुप्रयोग" पर कार्यशाला

IACS और INYAS ने 16 से 22 नवंबर, 2022 तक IACS में "हरित ऊर्जा संचयन और भंडारण: सामग्री, तरीके और अनुप्रयोग" पर SERB प्रायोजित कार्यशाला का आयोजन किया। यह कार्यशाला विशेष रूप से मास्टर्स और पीएचडी छात्रों के लिए डिज़ाइन की गई थी।

विशेष दिवस समारोह

INYAS और INSA द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित राष्ट्रीय विज्ञान दिवस समारोह

INYAS और भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी (INSA) ने संयुक्त रूप से 28 फरवरी, 2022 को ऑनलाइन मोड में सुबह 10:00 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक राष्ट्रीय विज्ञान दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया। डॉ. ए एस किरण कुमार, पूर्व (पूर्व अध्यक्ष, इसरो - भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन) ने "हार्नेसिंग एन इमर्जिंग टेक्नोलॉजी: इज़ देयर ए लेसन इन इंडियाज़ स्पेस एफर्ट्स?" पर एक सार्वजनिक व्याख्यान दिया है, डॉ. किरण कुमार ने डॉ. विक्रम साराभाई के दृष्टिकोण को साझा किया और इसरो की ऐतिहासिक उपलब्धियों पर चर्चा की जिसमें खगोल विज्ञान, मौसम विज्ञान, आपदा प्रबंधन और कृषि शामिल हैं। उन्होंने अध्यक्ष के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान चंद्रयान और मार्स ऑर्बिटर मिशन जैसे प्रतिष्ठित मिशनों के बारे में भी बात की और अंतरिक्ष मलबे से लेकर अंतरिक्ष पर्यटन तक के सवालों पर जिज्ञासु मन के जवाब दिए। विज्ञान के "दर्शन" पर प्रोफेसर चंद्रिमा शाहा (अध्यक्ष, INSA) का संबोधन। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि "खोज तैयार दिमाग से मिलती है" और वैश्विक समाधान के दरवाजे खोलने के लिए एक उपकरण के रूप में विज्ञान संचार के महत्व का भी उल्लेख किया। उन्होंने उल्लेख किया कि हमें जो विरासत में मिला है, उससे बेहतर दुनिया बनाने के लिए हमें विज्ञान का उपयोग करने का हर संभव प्रयास करना चाहिए। प्रो देवांग खखर (उपाध्यक्ष, आईएनएसए) ने एक संक्षिप्त और प्रभावशाली प्रस्तुति दी और हाल की चार खोजों का उल्लेख किया; 10 बिलियन डॉलर का जेम्स वेब टेलीस्कोप; टोकोमैक; एचआईवी के इलाज की झलक; 2-डी पॉलिमरिक अल्ट्रा-मजबूत सामग्री एक महान काम है और कहा कि इसमें जबरदस्त वादा है। अनुसंधान उत्कृष्टता के लिए INYAS राष्ट्रीय पुरस्कारों की घोषणा की गई। पुरस्कार प्राप्त करने वालों की सूची इस प्रकार है

सामाजिक प्रभाव के लिए प्राकृतिक नैनोफाइबर में सर्वश्रेष्ठ पीएचडी थीसिस: डॉ सौम्या सेल्वराज, सीएसआईआर-एसएलआरआई चेन्नई

कार्बन नैनो सामग्री में सर्वश्रेष्ठ पीएचडी थीसिस: डॉ आरती गोपालकृष्णन, आईआईटी हैदराबाद
डॉ सरिगमाला कार्तिक किरण, आईआईटी बॉम्बे

नैनो इनोवेशन अवार्ड में उत्कृष्टता: डॉ मानस राजन पांडा, आईआईटी बॉम्बे
डॉ नितीश एम नायर, आईआईटी मद्रास

इलेक्ट्रोकैमिस्ट्री में सर्वश्रेष्ठ पीएचडी थीसिस: डॉ शिखा खंडेलवाल, आईआईटी गांधीनगर

डॉ साहिल थरेजा, आईआईटी रुड़की

सर जॉन मेसन इंटरडिसिप्लिनरी रिसर्च: डॉ नलिनी के., कोचीन विश्वविद्यालय। विज्ञान का। & तकनीकी

इस अवसर पर प्रो. देवांग खाखर द्वारा विभिन्न भाषाओं में इन्यास न्यूजलेटर के नए अंक का भी ई-विमोचन किया गया। धन्यवाद ज्ञापन इन्सा के डॉ. सीएम नौटियाल ने किया। INYAS इस अवसर पर पांच अलग-अलग श्रेणियों में अनुसंधान उत्कृष्टता 2021 के लिए INYAS राष्ट्रीय पुरस्कार के सभी प्राप्तकर्ताओं को बधाई देता है। सभी पुरस्कार प्रायोजकों (मेट्रोहम इंडिया लिमिटेड, ई-स्पिन नैनोटेक प्राइवेट लिमिटेड, संदीप पाटिल, शिवरामन कराईकुडी, मुद्रिका खंडेलवाल और कार्बन लेबोरेटरी) को उनके समर्थन के लिए धन्यवाद। विजेताओं के चयन में उच्चतम मानकों को बनाए रखने के लिए हम सभी प्रतिष्ठित ज्यूरी सदस्यों के भी आभारी हैं।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस समारोह

INYAS ने 7 मार्च, 2022 को शाम 5:00 बजे वर्चुअल प्लेटफॉर्म पर अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस कार्यक्रम मनाया। प्रो. रोहिणी गोडबोले (आईआईएससी बेंगलुरु) और प्रो. राम रामास्वामी (आईआईटी दिल्ली) ने इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में शिरकत की। INYAS ने युवा महिला वैज्ञानिकों को प्रोत्साहित करने और उन्हें सशक्त बनाने के लिए हाल के वर्षों में कई पहल की हैं। इन प्रयासों को जारी रखते हुए, हमने इस अवसर पर अपनी महिला सदस्यों और पूर्व छात्रों (INYAS में महिलाएं, जिन्हें WiNYAS के नाम से जाना जाता है) का सार-संग्रह जारी किया। इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की पूर्व संध्या पर, INYAS ने 50 पंजीकृत शुरुआती कैरियर शोधकर्ताओं के लिए एकेडेमिया में लिंग पूर्वाग्रह को संबोधित करने के लिए संभावित रणनीतियाँ: भारतीय संदर्भ पर ध्यान केंद्रित करने के लिए एक कार्यशाला का आयोजन किया।

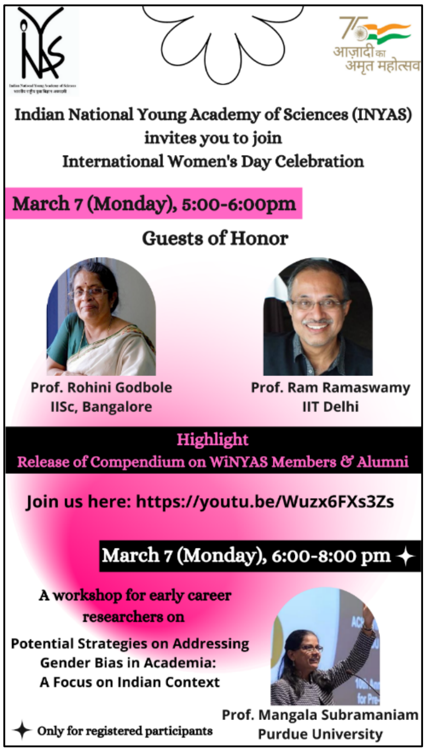

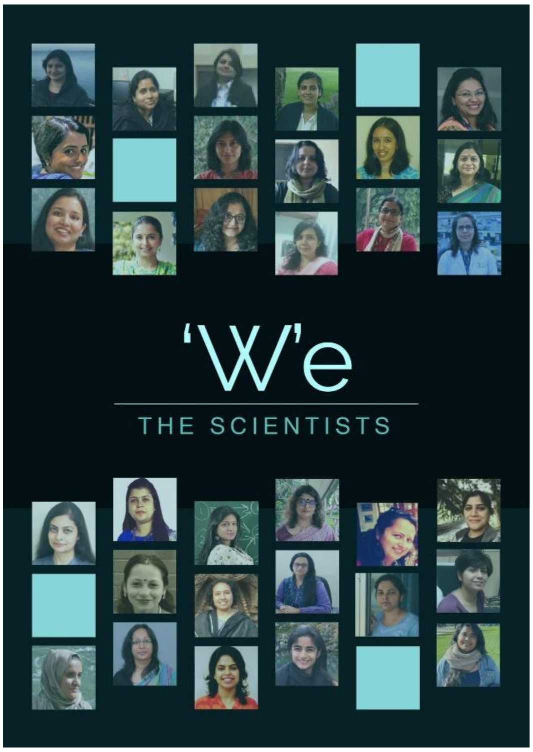

अंतर्राष्ट्रीय गणित दिवस पर विज्ञान शिविर

गणित विभाग, एनआईटी नागालैंड ने 14 मार्च 2022 को INYAS - नॉर्थ ईस्ट लोकल चैप्टर के सहयोग से सेंट सवियो स्कूल सेरूझा और शकीनाह स्कूल चुमुकेडिमा में अंतर्राष्ट्रीय गणित दिवस मनाया। इस दिन को पाई दिवस के रूप में भी जाना जाता है क्योंकि एमएमडीडी प्रारूप में 14 मार्च को 3-14 के रूप में लिखा जाता है जो प्रसिद्ध गणितीय स्थिरांक पाई के पहले तीन महत्वपूर्ण अंक हैं। सेंट सावियो स्कूल में कार्यक्रम की शुरुआत प्रिंसिपल सेंट सावियो स्कूल द्वारा प्रस्तुत स्वागत भाषण के साथ हुई, उसके बाद

डॉ. मनोज कुमार पटेल (समन्वयक, INYAS - नॉर्थ ईस्ट लोकल चैप्टर) और दो गणित के विद्वान श्री हिमांशु चक्रवर्ती और श्री पलाश नाथ ने सत्र को संभाला। उत्सव की प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला और दिन की घटनाओं की एक झलक प्रदान की। उन्होंने सामान्य विज्ञान और गणित के बारे में रोचक तथ्यों के बारे में बात की, गणित और विज्ञान ओलंपियाड में अंतर्दृष्टि भी दी और स्कूलों के युवा मन को गणित और विज्ञान शिक्षा के प्रति प्रोत्साहित किया। उत्सव ने छात्रों को हमारे सामने प्रश्नोत्तरी के दौरान अपने गणितीय ज्ञान को व्यक्त करने का अवसर दिया। कार्यक्रम के अंत में दोनों विद्यालयों के मेधावी छात्रों को पुरस्कार वितरित किए गए।

दोपहर 1.00 बजे शेकीना स्कूल में कार्यक्रम की शुरुआत प्रधानाध्यापक शकीना स्कूल द्वारा प्रस्तुत स्वागत भाषण के साथ हुई, उसके बाद डॉ. मनोज कुमार पटेल (समन्वयक, INYAS - नॉर्थ ईस्ट लोकल चैप्टर) और दो गणित के विद्वान श्री लाबा कृ दास और श्री गौरब बर्धन ने चर्चा की। सत्र जहां उत्सव की प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला गया और दिन की घटनाओं की एक झलक प्रदान की गई। उन्होंने सामान्य विज्ञान और गणित के बारे में रोचक तथ्यों पर बात की, गणित और विज्ञान ओलंपियाड की अंतर्दृष्टि भी दी और स्कूलों के युवा मन को गणित और विज्ञान शिक्षा के प्रति प्रोत्साहित किया। उत्सव ने छात्रों को हमारे सामने प्रश्नोत्तरी के दौरान अपने गणितीय ज्ञान को व्यक्त करने का अवसर दिया। कार्यक्रम के अंत में दोनों विद्यालयों के मेधावी छात्रों को कुछ पुरस्कार वितरित किए गए।

"हमारे ग्रह में निवेश करें", पृथ्वी दिवस समारोह 2022

डॉ जितेंद्र कुमार पटनायक, INYAS ने 22 अप्रैल, 2022 को पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय, बठिंडा में "पृथ्वी दिवस 2022" मनाने के लिए एक दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया है। निम्नलिखित 4 प्रतिष्ठित वक्ता थे: 1. पद्मश्री प्रो. हर्ष के. गुप्ता, 2. प्रो. अशोक साहनी, 3. प्रो. ज्योतिरंजन एस रे, निदेशक, एनसीईएसएस, 4. प्रो. सतीश जे. सांगोडे, सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय, पुणे। इस कार्यक्रम में विभिन्न स्तरों (हाई स्कूल से एम. एससी छात्रों तक) के लगभग 250 छात्रों ने भाग लिया है। इसमें भाग लेने वाले छात्रों द्वारा विभिन्न मॉडल, प्रदर्शनियां और पोस्टर भी प्रस्तुत किए गए।

.

वेबिनार और व्याख्यान

मेड-मंथन (वेबिनार सीरीज)

राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्वास्थ्य संबंधी दिवस महत्वपूर्ण स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों और बीमारियों के बारे में चिंतन करने, चिंतन करने और जागरूकता बढ़ाने के महान अवसर हैं। ऐसे दिन हमें सभी हितधारकों: चिकित्सकों, शोधकर्ताओं, चिकित्सा छात्रों, रोगियों और बड़े पैमाने पर समाज से संबंधित स्वास्थ्य स्थितियों के प्रबंधन की दिशा में चिकित्सा विज्ञान में हमारी प्रगति को प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करते हैं। मेड-मंथन INYAS-कोलकाता भुवनेश्वर चैप्टर द्वारा प्रस्तावित एक वेबिनार श्रृंखला है, जिसमें चिकित्सकों, शोधकर्ताओं और/या (अतिरिक्त) सामान्य लोगों द्वारा वेबिनार के माध्यम से ऐसे महत्वपूर्ण स्वास्थ्य-संबंधी दिवस मनाए जाते हैं, जिन्होंने इसका समर्थन किया है।

WISE-Women in Science पर वेबिनार:

पंजाब यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़ और एसोसिएशन ऑफ माइक्रोबायोलॉजिस्ट के सहयोग से डॉ. निशिमा वांगू ने 17 जून 2022 को WISE- वीमेन इन साइंस पर एक वेबिनार का आयोजन किया। प्रोफेसर इंदु पाल ने व्याख्यान दिया।

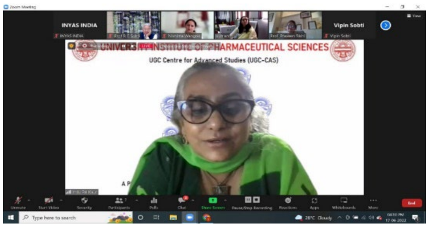

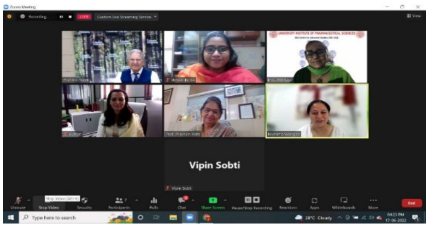

"सामग्री विज्ञान और इंजीनियरिंग में प्रगति" पर एक वेबिनार श्रृंखला

INYAS कोलकाता भुवनेश्वर चैप्टर ने भारतीय धातु संस्थान भुवनेश्वर चैप्टर के सहयोग से AMSE 2022 का आयोजन किया: "सामग्री विज्ञान और इंजीनियरिंग में प्रगति" पर एक वेबिनार श्रृंखला। एएमएसई 2022 के प्रत्येक सत्र में, एक विशेषज्ञ द्वारा दिया गया भाषण और दूसरा एक नवोदित शोध पेशेवर द्वारा तकनीकी और सामाजिक पहलुओं को कवर करने वाले उनके सबसे हालिया शोध कार्य के बारे में बात करता है।

इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मेटल्स भुवनेश्वर चैप्टर के सहयोग से INYAS कोलकाता भुवनेश्वर चैप्टर द्वारा एडवांस इन मैटेरियल्स साइंस एंड इंजीनियरिंग (AMSE-2022) का आयोजन किया गया था। आईआईटी खड़गपुर के प्रोफेसर रबिब्रत मुखर्जी और सीएसआईआर-सीएसआईओ, चंडीगढ़ की मिस प्राची राजपूत एएमएसई-2022 के पहले और उद्घाटन सत्र के वक्ता थे। सत्र में पड़ोसी देश बांग्लादेश के प्रतिभागियों सहित 50 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया।

यूआईईटी, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ में स्वास्थ्य वार्ता

4 अप्रैल, 2022 को यूआईईटी, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ में एक कार्यक्रम "स्वास्थ्य वार्ता" के माध्यम से डॉ वांगू द्वारा एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया था। यह कार्यक्रम आम बीमारियों के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए था।

टीच फॉर साइंस फेलोशिप ”कार्यक्रम

इन्यास ने प्रयास के सहयोग से एक टॉक सीरीज़ "टीच फॉर साइंस" का आयोजन किया, जिसका समन्वयन इन्यास चंडीगढ़ चैप्टर की डॉ. पूजा देवी ने किया। INYAS CH चैप्टर के सदस्य डॉ. रमेंद्र एस डे, डॉ. नेहा सरदाना, डॉ. निशिमा वांगू, डॉ. सुगंधा, डॉ. रिफत जॉन और डॉ. पूजा ने इस श्रृंखला में व्याख्यान दिए और यूजी/पीजी छात्रों के साथ बातचीत की। श्रृंखला 2 जुलाई को शुरू हुई थी और 14 अगस्त 2022 को समाप्त हुई थी।

"संगठित संरक्षण" विषय पर जागरूकता वार्ता

अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के निर्देशानुसार तथा जल शक्ति मंत्रालय, जल संसाधन, नदी विकास एवं गंगा संरक्षण विभाग, भारत सरकार से प्राप्त पत्र के संदर्भ में, "जल शक्ति अभियान: कैच द रेन कैम्पेन-2022" के संबंध में , भौतिकी विभाग, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़ ने इस अभियान को अपनाया और प्रचारित किया। अभियान के प्रचार-प्रसार के लिए और "जल आंदोलन" को "जन

आंदोलन" बनाने के लिए भौतिकी विभाग ने "जल संरक्षण" विषय पर एक जन जागरूकता वार्ता का आयोजन किया। प्रो मो. मसरूर आलम, सिविल इंजीनियरिंग विभाग, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़ ने 2 जुलाई को प्रातः 11:00 बजे भौतिकी विभाग के सम्मेलन कक्ष में "जल संरक्षण" शीर्षक से एक लोकप्रिय/सार्वजनिक व्याख्यान दिया। प्रो. बी.पी. सिंह, अध्यक्ष, भौतिकी विभाग ने मुख्य अतिथि प्रो. मो. मसरूर आलम, सिविल इंजीनियरिंग विभाग, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़ और सभी संकाय सदस्यों के साथ-साथ छात्र। प्रोफेसर सिंह ने "जल शक्ति अभियान: कैच द रेन कैंपेन - 2022" के बारे में भी बताया और ऐसे कार्यक्रमों के महत्व के बारे में चर्चा की। डॉ. जय प्रकाश ने जल शक्ति अभियान-कैच द रेन कैंपेन-2022 की मुख्य विशेषताओं पर चर्चा की और भारत सरकार द्वारा जल संरक्षण के लिए राष्ट्रीय आह्वान पर प्रकाश डाला। उन्होंने भौतिकी विभाग द्वारा पिछले वर्ष के अभियान को अपनाने और प्रचार प्रसार के माध्यम से विभाग भवन की छत के ऊपर से पानी एकत्र करके वर्षा जल संचयन प्रणाली स्थापित करने के प्रस्ताव और "जल संरक्षण रूफ टॉप रेन" विषय पर एक वेबिनार आयोजित करने के बारे में भी बात की। जल संचयन"। प्रो मो. मुख्य अतिथि एवं आज के वक्ता मसरूर आलम ने कहा- जल "जीवन का अमृत" है और जल के बिना जीवन संभव नहीं है। पृथ्वी एक जीवित ग्रह बन गई है, केवल ऑक्सीजन, पानी और एक सहने योग्य तापमान शासन के कारण।

"सामग्री विज्ञान और इंजीनियरिंग में प्रगति" 2022 - दूसरा सत्र

INYAS कोलकाता भुवनेश्वर चैप्टर ने भारतीय धातु संस्थान भुवनेश्वर चैप्टर के सहयोग से AMSE 2022 का आयोजन किया: "सामग्री विज्ञान और इंजीनियरिंग में प्रगति" पर एक वेबिनार श्रृंखला। सत्र एक विशेषज्ञ द्वारा दिए गए थे और दूसरी बात एक नवोदित शोध पेशेवर द्वारा तकनीकी और सामाजिक पहलुओं को कवर करने वाले उनके सबसे हालिया शोध कार्य के बारे में प्रस्तुत की जाएगी। वक्ताओं में डॉ. एच.एस. रामकृष्ण मैट, वैज्ञानिक, सेंटर फॉर नैनो एंड सॉफ्ट मैटर साइंसेज (सीईएनएस), बेंगलुरु और डॉ. कंपारा आर. किशोर, रिसर्च एसोसिएट, कार्बन लैब, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान हैदराबाद थे।

वेबिनार "मीडिया को अपने शोध को कैसे संप्रेषित करें?"

जन जागरूकता बढ़ाने और वैज्ञानिकों के लिए बेहतर वैज्ञानिक अवसरों के लिए हमारे शोध को समाज तक पहुँचाना महत्वपूर्ण होता जा रहा है। भारत में अभी भी विज्ञान और समाज के बीच एक खाई है। मीडिया समाज और विज्ञान के बीच एक महत्वपूर्ण सेतु है।

INYAS दिल्ली एनसीआर चैप्टर ने "मीडिया को अपने शोध को कैसे संप्रेषित करें?" पर एक ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन किया। 30 जुलाई 2022 को सुबह 11 बजे। डॉ दिनेश सी शर्मा, एक प्रसिद्ध विज्ञान पत्रकार को एक वेबिनार के लिए आमंत्रित किया गया था, जिसके बाद INYAS सदस्यों/पूर्व छात्रों के बीच एक इंटरैक्टिव सत्र आयोजित किया गया था। दिनेश सी शर्मा राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मीडिया आउटलेट्स के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य और पर्यावरण पर रिपोर्टिंग करने के 35 वर्षों के अनुभव के साथ एक पुरस्कार विजेता पत्रकार, लेखक और मीडिया ट्रेनर हैं। उन्होंने मीडिया को संवाद करने के तरीके बताए और प्रेस विज्ञप्ति आदि बनाने की मूल बातें प्रस्तुत कीं। डॉ. वेदा कृष्णन ने वेबिनार का संचालन किया। डॉ. राजेंद्र ढाका ने INYAS गतिविधियों को प्रस्तुत किया और वेबिनार का परिचय दिया और डॉ. कल्पना नागपाल ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। डॉ. मेहर वान ने दिल्ली एनसीआर चैप्टर की ओर से इस कार्यक्रम का समन्वय किया।

विज्ञान पे चर्चा: एक द्वैमासिक व्याख्यान श्रृंखला”

सीएसआईओ जिज्ञासा टीम, इन्यास, विभा चंडीगढ़ और एनएएसआई चंडीगढ़ ने 30 जुलाई 2022 से स्कूली छात्रों के लिए द्वैमासिक व्याख्यान श्रृंखला "विज्ञान पे चर्चा" का सहयोग और आयोजन किया। डॉ. महक, डॉ. पूजा और डॉ. के.के. भसीन ने सीआरआईएसपीआर तकनीक, बुनियादी विज्ञान में भारतीय वैज्ञानिकों के योगदान और रसायन विज्ञान के आकर्षक पहलुओं पर व्याख्यान दिया। डॉ. पूजा (सीसी सदस्य, इन्यास और नोडल, सीएसआईओ जिज्ञासा) ने इस कार्यक्रम की अवधारणा और समन्वयन किया।

बाल चिकित्सा कोविड पर सार्वजनिक व्याख्यान

INYAS- लखनऊ-कनपुर (LKO-KNP) अध्याय ने 8 मार्च, 2022 को डॉ। उर्वशी साहनी द्वारा "महिला नेताओं: कैसे लिंग माइनफील्ड को नेविगेट करें" पर सार्वजनिक व्याख्यान का आयोजन किया।

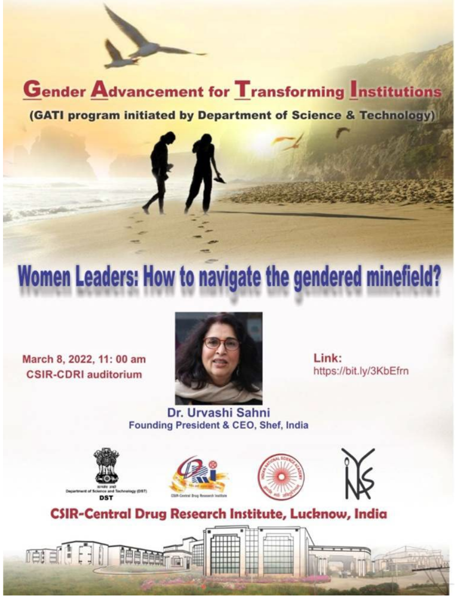

"सामग्री विज्ञान और इंजीनियरिंग में अग्रिम" पर वेबिनार श्रृंखला

सामग्री विज्ञान और इंजीनियरिंग में अग्रिम (एएमएसई -2022) का आयोजन इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मेटल्स (आईआईएम) भुवनेश्वर अध्याय के सहयोग से, इनास कोलकाता भुवनेश्वर अध्याय द्वारा किया गया था। स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग से प्रो। मल्लर रे और इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, जोधपुर के टेक डे मोंटेरे और निपुन शर्मा के विज्ञान, एएमएसई -2022 के तीसरे सत्र के वक्ता थे।

39. INYAS-DST SERB ऊर्जा और स्थिरता पर समन्वित घटना

थीम पर 10 वीं और 11 सितंबर 2022 को एक आउटरीच इवेंट का आयोजन किया गया था: विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड के एक भाग के रूप में ऊर्जा और स्थिरता - सर्ब वैज्ञानिक सामाजिक जिम्मेदारी और इनास हैदराबाद अध्याय के साथ मिलकर: 50 नवोदय विड्यालाया लड़कियों ने एसटीडी XII में अध्ययन किया और चयनित किया। विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के तहत, भारत सरकार विगयान ज्योति योजना ने आईआईटी हैदराबाद परिसर में पूरे दो दिन बिताए, यह देखने के लिए कि हम सुबह के कुछ इंटरैक्टिव सत्रों में भाग लेने के अलावा सतत ऊर्जा से संबंधित अनुसंधान कार्य कैसे करते हैं, यह देखने के लिए कि हम पांच अनुसंधान प्रयोगशालाओं (कार्बन प्रयोगशाला सहित) का दौरा करते हैं।

इस दिन की लंबी यात्रा का अद्भुत हिस्सा यह था कि यह जानने के लिए बहुत सारे सवाल और उत्साह थे कि शेड्यूल को एक घंटे से अधिक समय तक बढ़ाया गया था। प्रस्तुतियाँ डॉ सीएस शर्मा, डॉ मुदरीका खंडेलवाल, डॉ प्रियंका बजाज और लैब एक्सपेरिमेंट डेमो द्वारा डॉ एसएसके रवि, डॉ अरविंद रेगन, डॉ सीएस शर्मा, डॉ मुदरीका खंदेलवाल और उनके छात्रों द्वारा दी गईं।

नोबेल पुरस्कार 2022 पर व्याख्यान श्रृंखला और स्वतंत्र भारत में संस्थानों के निर्माण और पोषण की पहल

INYAS ने वार्षिक नोबल प्राइज लेक्चर सीरीज़ और इंस्टीट्यूशंस बिल्डिंग एंड पोषण इनिशिएटिव इन इंडिपेंडेंट इंडिया के आयोजन में SPSTI, NASI, VP और IAPT के साथ भागीदारी की। नोबल प्राइज सीरीज़ में पहला व्याख्यान 22 अक्टूबर, 2022 को आयोजित किया गया था, और प्रोफेसर, कुलपति, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला द्वारा प्रोफेसर आरविंड द्वारा दिया गया था, जो कि भौतिकी 2022 में नोबेल पुरस्कार पर था। स्पीकर ने इसकी सुविधा के लिए अपनी बात की, जो इसकी सुविधा प्रदान करता है। पंजाबी और हिंदी बोलने वाले छात्रों द्वारा आसान समझ। इस व्याख्यान में सम्मान का अतिथि डॉ। जतिंदर कौर अरोड़ा, कार्यकारी निदेशक, PSCST और सदस्य सचिव, पंजाब जैव विविधता बोर्ड थे। इसके बाद लगभग 08 व्याख्यान 2022 में नोबल पुरस्कार के सभी विषयों को कवर किया गया था। एक अन्य श्रृंखला ने प्रख्यात वक्ताओं को स्वतंत्र भारत के लिए संस्थानों के दर्शन और पहल पर बातचीत की।

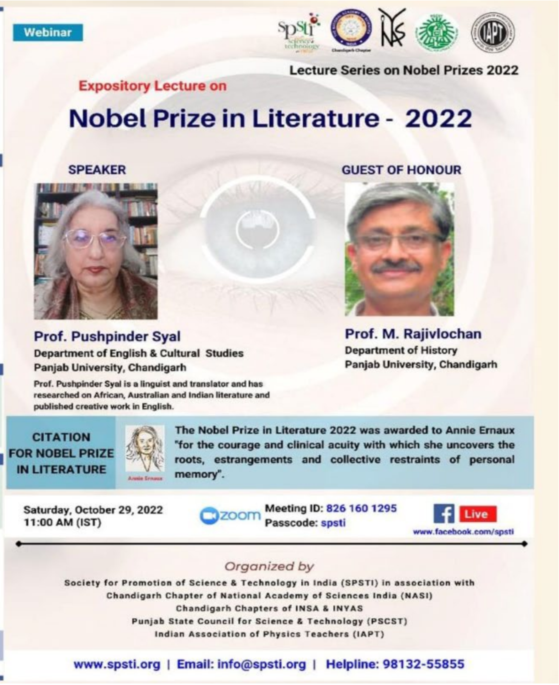

'पूर्व-निर्माण अध्ययन के प्रमुख पहलुओं' पर बात करें

'प्री-फॉर्मुलेशन स्टडीज के प्रमुख पहलुओं' पर एक ऑनलाइन व्याख्यान 9 दिसंबर, 2022, 11:00 am-1:00 बजे INYAS के NCR अध्याय द्वारा आयोजित किया गया था। यह कार्यक्रम मेहमानों और प्रतिभागियों का स्वागत करके शुरू हुआ। अध्यक्ष इनास डॉ। राजेंद्र ढाका ने दर्शकों को इनास और सत्र के विषय की प्रासंगिकता के बारे में पेश किया। सह-कॉर्डिनेटर एनसीआर चैप्टर इनास, डॉ। कल्पना नागपाल ने वक्ता की शुरुआत की। स्पीकर, श्री वैभव कुमार, हेड, सेंटर ऑफ एक्सीलेंस लैब, मायलान लेबोरेटरीज लिमिटेड, ने बहुत उत्साह से अपनी बात की और विषय को सीखने के महत्व का उल्लेख

करते हुए बहुत ही प्रासंगिक प्रमुख बिंदुओं पर जोर दिया। उन्होंने दवा उद्योग और उनके समाधानों का सामना किए गए विभिन्न वास्तविक मामले के अध्ययन पर चर्चा की। छात्रों ने सत्र में ऑनलाइन और साथ ही ऑफ़लाइन मोड में अपनी कक्षा में ऑफ़लाइन मोड में भाग लिया। इसके बाद छात्रों द्वारा स्पीकर को एक से एक इंटरैक्शन और प्रश्न उत्तर सत्र किया गया। संसाधन व्यक्ति ने बहुत धैर्यपूर्वक इस विषय से संबंधित प्रश्नों का उत्तर दिया और साथ ही उन्हें अपने करियर के लिए फार्मास्युटिकल उद्योग में फ्रेशर के रूप में उल्लेख किया। धन्यवाद का औपचारिक वोट धन्यवाद देने के बाद सत्र समाप्त हो गया।

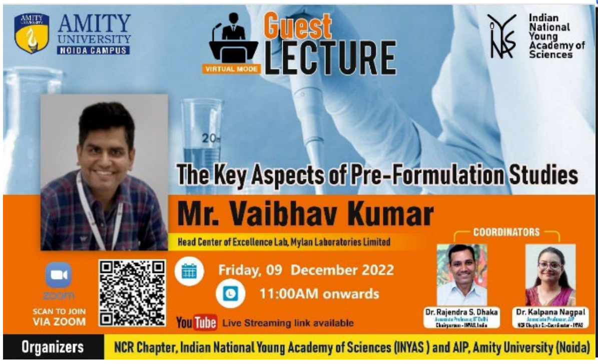

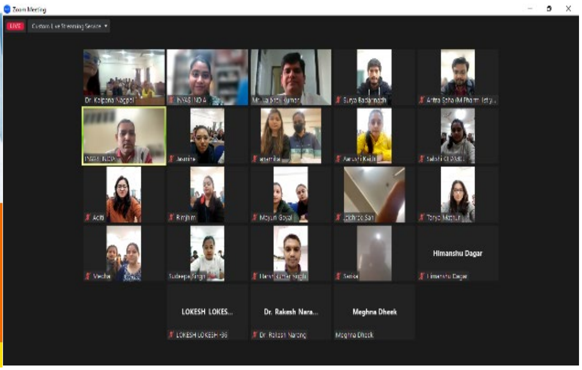

नीति सत्र

INYAS श्वेत पत्र "भारत में युवा स्वतंत्र शोधकर्ताओं के लिए कैरियर चुनौतियां" DST भारत के साथ चर्चा

INYAS ने राष्ट्रीय सर्वेक्षण के आधार पर "भारत में युवा स्वतंत्र शोधकर्ताओं के लिए कैरियर की चुनौतियां" का आयोजन किया था, जो कि शिक्षाविदों के साथ -साथ देश के प्रमुख वैज्ञानिक संगठन द्वारा अच्छी तरह से प्राप्त किया गया था। इस दिशा में, डीएसटी के अधिकारियों ने सर्वेक्षण से प्राप्त सिफारिशों को समझने के लिए INYAS के साथ एक बैठक की ताकि डीएसटी कार्यक्रमों में कार्यान्वयन के लिए उन्हें आगे बढ़ाया जा सके। बैठक 8 फरवरी 2022 को ऑनलाइन आयोजित की गई थी।

43. INYAS श्वेत पत्र

INYAS के प्रमुख उद्देश्यों में से एक देश के युवा वैज्ञानिक बल द्वारा सामना की जाने वाली चुनौतियों के प्रमुख मुद्दों और स्थिति को लाना है और राय और सिफारिशों के रूप में अपनी आवाज को आगे बढ़ाना है। इस दिशा में, Inyas ने पोस्ट-डॉक्स, स्कूल शिक्षकों और कम से कम कार्यबल को कवर करने वाले तीन राष्ट्रीय सर्वेक्षणों को तैर दिया, नीचे सूचीबद्ध:

1. अंडरटेलाइज़्ड वर्कफोर्स
2. भारत में काम करने वाले पोस्टडॉक्टोरल फेलो का भविष्य और भविष्य
3. भारतीय कक्षाओं में विज्ञान शिक्षण के लिए समर्थन

Indian National Young Academy of Science (INYAS), INSA, New Delhi

Azadi Ka Amrit Mahotsav

Indian National Young Academy of Sciences (INYAS) in the first and only recognized young scientist academy of India. INYAS promotes Science education and networking among young scientists at National as well as International level. INYAS is attempting a survey to explore

(i) reasons for trained personnel not working presently
(ii) motivation for working beyond the retirement age
(iii) identify challenges, trends and gaps and propose recommendations for positive change

The underutilized workforce: A digital survey

for trained personnel (Masters / PhD's / Post Retirement professionals) who can be useful workforce

https://inyas.in/
https://tinyurl.com/3sxeptfs

*Read the terms and condition before filling the survey

यह सर्वेक्षण उन कारणों का पता लगाने के लिए विकसित किया गया है, जिनके कई प्रशिक्षित कर्मी वर्तमान में काम नहीं कर रहे हैं और साथ ही सेवानिवृत्ति की उम्र से परे काम करने की प्रेरणा भी हैं। इस सर्वेक्षण, और अन्य उपायों के माध्यम से, हम चुनौतियों, रुझानों और अंतरालों की पहचान करना चाहते हैं और एक सकारात्मक बदलाव के लिए सिफारिशों का प्रस्ताव करते हैं।

पोस्ट-डॉक्टरल शोधकर्ता किसी भी देश के एसटीआई विकास के लिए प्रशिक्षित कार्यबल का महत्वपूर्ण वर्ग हैं। इस दिशा में, INYAS उन आवश्यक धन के अवसरों, कौशल प्रशिक्षण, नौकरी के अवसरों के बारे में जागरूकता, और इसके प्रमुख "प्रार्थना" कार्यक्रम के माध्यम से कई अन्य प्रासंगिक बिंदुओं को प्रदान करके इस समुदाय की मदद करने के लिए प्रतिबद्ध है। आगे बढ़ते हुए, INYAS ने एक संरचित प्रश्नावली तैयार की है और देश में "ब्रेन पूल" के पारिस्थितिकी तंत्र होने के लिए अपनी स्थिति, चुनौतियों और दृष्टिकोण/अपेक्षाओं को प्रोजेक्ट करने के लिए पोस्ट-डॉक्टरेट और/या शुरुआती कैरियर शोधकर्ताओं के साथ एक राष्ट्रीय सर्वेक्षण कर रहा है। सर्वेक्षण भारत में पोस्टडॉक्टोरल फैलोशिप के तथ्यों और आंकड़ों

की वास्तविकता की जांच पर केंद्रित है और सर्वेक्षण के परिणाम को सभी प्रतिभागियों और नीति निर्माताओं के साथ साझा किया जाएगा, जिसमें सभी राष्ट्रीय वित्त पोषण एजेंसियां शामिल हैं।

तीसरा श्वेत पत्र, "भारतीय कक्षाओं में विज्ञान शिक्षण के लिए समर्थन", का उद्देश्य शिक्षकों की जरूरतों और बुनियादी ढांचे की इसी आवश्यकताओं की पहचान करना है। विज्ञान और प्रौद्योगिकी के विकास और एक तर्कसंगत लोकतांत्रिक समाज के विकास के लिए स्कूल स्तर पर विज्ञान शिक्षा में सुधार करना महत्वपूर्ण है। हालांकि, कई रिपोर्टों और शोध पत्रों से पता चलता है कि भारत में विज्ञान शिक्षा की स्थिति में सुधार करने की बहुत गुंजाइश है। उदाहरण के लिए, इंटरनेशनल स्टूडेंट असेसमेंट (PISA) के लिए कार्यक्रम में, भारत ने 2009 में 73 देशों में से 72 वें स्थान पर रहे, जिसके बाद यह इस कार्यक्रम में भाग नहीं लिया। स्कूलों में प्रयोगशालाओं और कंप्यूटरों जैसे आवश्यक बुनियादी ढांचे को प्रदान करके और शिक्षकों के लिए उचित समर्थन प्रदान करके इस स्थिति में सुधार किया जा सकता है।

पीएसए कार्यालय के साथ युवा वैज्ञानिकों को सशक्त बनाने के लिए राष्ट्रीय सर्वेक्षण में INYAS भागीदारी

INYAS ने युवा वैज्ञानिकों के लिए एक नीति दस्तावेज तैयार करने के लिए सुझाव और इनपुट प्राप्त करने के लिए युवा वैज्ञानिक को सशक्त बनाने के लिए एक राष्ट्रीय डिजिटल सर्वेक्षण के लिए PSA कार्यालय और IIT BHU के साथ भाग लिया। सर्वेक्षण में लगभग ~ 1800 उत्तरदाताओं की एक बड़ी प्रतिक्रिया मिली और आगे विश्लेषण के तहत है।

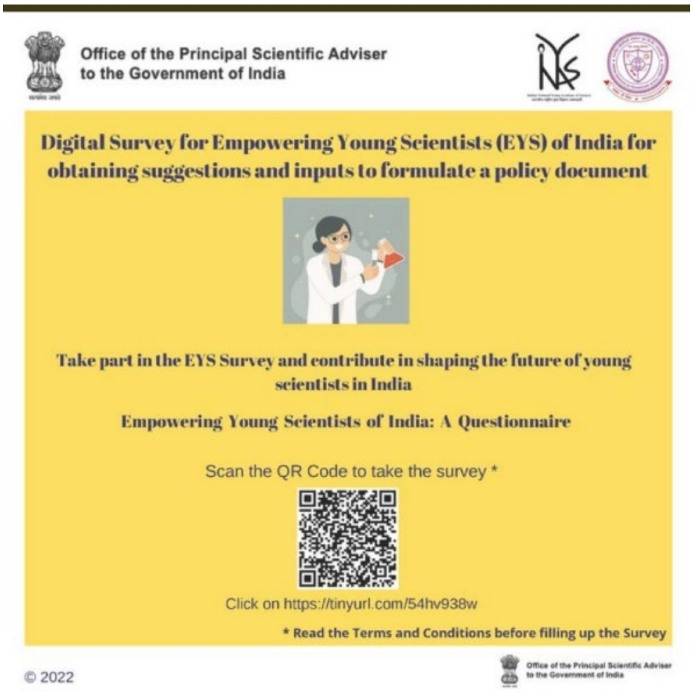

विज्ञान लोकप्रियकरण

विज्ञान शिविर-गर्गोटी

विज्ञान शिविर -गार्गोटी का आयोजन इंडियन नेशनल यंग एकेडमी ऑफ साइंस (INYAS) द्वारा डी। वाई। पाटिल एजुकेशन सोसाइटी (DYPEC), कोल्हापुर के साथ 8 वीं - 9 मार्च 2022 को (डॉ। डी। वाई। पाटील शिखानिक शंकुल, गर्गोती, डिस्ट। कोल्हापुर के साथ किया गया था। 7 वीं से 9 वीं मानकों की कक्षाओं के 700 छात्रों ने चिल्ड्रन साइंस कांग्रेस में भाग लिया है। विज्ञान शिविर का दिन प्रो। और हाथों पर प्रशिक्षण के साथ विद्युत चुम्बकीय प्रेरण ”। दोपहर के खंड में किशोर महिला हाल्ट और कार्डियोपल्मोनरी पुनर्जीवन (सीपीआर) पर हाथों से व्याख्यान चिकित्सा डॉक्टर की टीम द्वारा दिए गए थे। कचरा और आकाश अवलोकन के साथ दूरबीन के सिद्धांत की व्यवस्था की गई थी।

छात्रों को होममेड बैटरी, चुंबकीय प्रेरण, किशोर महिला स्वास्थ्य, कार्डियोपल्मोनरी पुनर्जीवन (सीपीआर), वैज्ञानिक खिलौने, और आकाश अवलोकन, आदि की अवधारणा का अनुभव करके प्रबुद्ध किया गया था।

विज्ञान ओलंपियाद

डॉ अर्नब दत्ता और उनकी टीम ने 10-11 जून 2022 से आईआईटी बॉम्बे में विज्ञान ओलंपियाड को ध्वस्त करने पर एक विज्ञान शिविर का आयोजन किया। इस घटना का मुख्य उद्देश्य अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान ओलंपियाड टूर्नामेंट के लिए ग्रामीण छात्रों को प्रोत्साहित करना था। कक्षा 9-12 से 20 छात्र प्रतिभागी थे।

ब्रिबंगरा, कैथल (हरियाणा) में "विगयान मेला

इंडियन नेशनल यंग एकेडमी ऑफ साइंसेज ने 3 सितंबर 2022 को ब्रिबंगरा, कैथल (हरियाणा) में 3 सितंबर 2022 को सोसाइटी फॉर प्रमोशन ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी (एसपीएसटीआई) और सीएसआईओ जिगियास टीम के सहयोग से एक "विगयान मेला" कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम ने कई प्रयोगों को प्रदर्शित किया और साथ ही छात्रों को रुचि पैदा करने और विज्ञान के अपने डर को दूर करने के लिए एक मोबाइल विज्ञान वैन में भी रहते हैं। कैरियर परामर्श और भारतीय वैज्ञानिकों के बारे में व्याख्यान भी दिए गए। इस कार्यक्रम में लगभग 250 स्कूल के छात्र और 100 ग्रामीणों ने भाग लिया। एक क्विज़ प्रतियोगिता भी आयोजित की गई और विजेताओं को प्रमाण पत्र और पुरस्कार दिए गए।

.

आयोजन | भारतीय राष्ट्रीय युवा विज्ञान अकादमी का विज्ञान मेला

भ्रांतियों को विज्ञान से किया दूर

संवाद न्यूज एजेंसी

राजौंद। गांव बीर बांगड़ा के सरकारी स्कूल में भारतीय राष्ट्रीय युवा विज्ञान अकादमी की तरफ से विज्ञान मेला आयोजित किया। इसमें विद्यार्थियों को विज्ञान की सहायता से भ्रांतियों को दूर किया। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों में विज्ञान के प्रति रुचि पैदा करना था।

इस दौरान विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग दिल्ली के सौजन्य से विज्ञान बस मेले में पहुंची। कार्यक्रम में वैज्ञानिक डॉक्टर पूजा शर्मा का ग्रामीणों ने भव्य स्वागत किया।

विद्यालय के सभी विद्यार्थियों को उनके विषय से संबंधित प्रयोग कराए। इसमें अमल क्षार को पहचानना एटीडीएस मीटर ने पानी की गुणवत्ता को जांचना, रसायनों का प्रयोग करके हाथ में आग लगाना क्रिया बताई। साथ ही लोगों में वैज्ञानिक सोच को विकसित करने के प्रयास किए।

कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों में प्रतियोगिता करवाई। जिसका सही जवाब देने वाले विद्यार्थियों को टी-शर्ट व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। इंजीनियर एमएल गर्ग ने विद्यार्थियों की करियर काउंसलिंग की। एसपीएसटीआई के प्रबंधक महिपाल शर्मा ने विद्यार्थियों को विज्ञान विषय के लिए प्रेरित किया। विज्ञान संचारक गुलशन चौरासिया, अमित कुमार ने कार्यक्रम में अहम भूमिका निभाई।

राजौंद में बच्चों को विज्ञान के प्रयोगों की जानकारी देतीं डॉ पूजा।

छात्रों के लिए विज्ञान जागरूकता शिविर

इंडियन नेशनल यंग एकेडमी ऑफ साइंसेज (INYAS) और सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ़ साउथ बिहार (CUSB) के भौतिकी विभाग ने 4 नवंबर 2022 को बोधगया के मिडिल स्कूल के मिडिल स्कूल में एक विज्ञान जागरूकता शिविर का आयोजन किया। कक्षा 6 के छात्र 6 से कक्षा 6 के छात्र 8 को इस जागरूकता कार्यक्रम (कुल 120 छात्रों) में लक्षित किया गया था। ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चों के बीच विज्ञान को बढ़ावा देने पर प्रमुख ध्यान केंद्रित किया गया था ताकि वे यह पता लगा सकें कि वे भविष्य में क्या करना चाहते हैं यदि वे इन कैरियर विकल्पों को चुनते हैं।

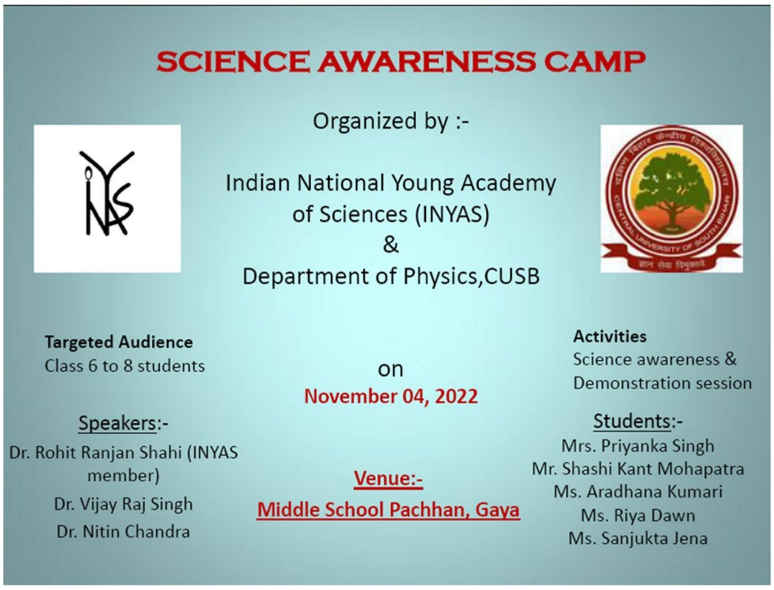

दो दिन INYAS विज्ञान शिविर – 2022

दो दिन INYAS विज्ञान शिविर - 2022 16-17 दिसंबर 2022 के दौरान 7 से 9 वें मानक छात्रों के लिए डी। वाई। पाटिल नॉलेज कैंपस, सलखेनगर, कोल्हापुर, महाराष्ट्र में आयोजित किया गया था। यह संयुक्त रूप से मुंबई अध्यायों के इनास और इनसा, डी। वाई। पाटिल एजुकेशन सोसाइटी (DYPES), और डी। वाई। पाटिल नॉलेज कैंपस, सलखेनगर, कोल्हपुर द्वारा आयोजित किया गया था। इस शिविर में मेजबान स्कूल और आस -पास के 10 स्कूलों के लगभग 375 छात्रों ने भाग लिया है। स्वयंसेवकों द्वारा तैयार किए गए प्रायोगिक किट को प्रत्येक छात्रों को वितरित किया गया था और फिर उन्हें दो अलग -

अलग हॉल में व्यवस्थित किया गया था जहां दो दिनों में रसायन विज्ञान, भौतिकी और जीव विज्ञान प्रयोगों पर समानांतर सत्र आयोजित किए गए थे। फोल्डस्कोप के माध्यम से माइक्रोवेर्ल्ड की खोज, रसायन विज्ञान और भौतिकी में दैनिक जीवन अवधारणाओं का प्रदर्शन किया गया और छात्रों को हाथ से प्रशिक्षण भी दिया गया। किशोर स्वास्थ्य के मुद्दों पर एक घंटे का सत्र भी D.Y के मेडिकल डॉक्टरों द्वारा आयोजित किया गया था। पाटिल अस्पताल, कोल्हापुर जिसने छात्रों को उनकी उम्र में होने वाले शारीरिक और भावनात्मक परिवर्तनों को समझने में मदद की और इन परिवर्तनों का जवाब कैसे दिया जाए। यह आयोजन एक वेलेडिक्टरी सत्र के साथ संपन्न हुआ, जहां छात्रों से प्रतिक्रिया ली गई और भागीदारी प्रमाण पत्र वितरित किए गए। डी। वाई। पाटिल नॉलेज कैंपस, सलखेनगर, कोल्हपुर के मेजबान स्कूल के शिक्षण और गैर-शिक्षण स्टाफ ने विज्ञान शिविर के लिए उत्कृष्ट आतिथ्य और व्यवस्था प्रदान की है। यह आयोजन इनयस मुंबई अध्याय के डॉ। जयवंत गुनजकर और डॉ। विवेक पार्कर द्वारा आयोजित किया गया था।

VIDNYAN UTSAV-2022

VIDNYAN UTSAV-2022 का आयोजन Inyas और मराठी विदानन परिषद, GADHINGLAJ, KOLHAPUR द्वारा 14-17 दिसंबर 2022 के दौरान कोल्हापुर में विभिन्न ग्रामीण स्थानों पर कक्षा 7 से 9 वें स्कूल के छात्रों के लिए किया गया था। इस कॉम्बो घटना का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र के स्कूली बच्चों के बीच बुनियादी विज्ञान की वैज्ञानिक दृष्टिकोण और समझ विकसित करना था। गतिविधियों में विज्ञान प्रयोग प्रदर्शन (सूक्ष्म दुनिया), फोल्डस्कोप पर प्रशिक्षण पर हाथ, बुनियादी मजेदार रसायन विज्ञान व्याख्यान और डेमो और पक्षी अवलोकन शामिल हैं।

भारतीय राष्ट्रीय युवा अकादमी, मुंबई प्रभाग,
मराठी विज्ञान परिषद मध्यवर्ती मुंबई
आणि मराठी विज्ञान परिषद गडहिंग्लज, महाराष्ट्र
यांच्या संयुक्त विद्यमाने

विज्ञानोत्सव २०२२

डिसेंबर २०२२ मधील नियोजित कार्यक्रम : **बाल वैज्ञानिक संमेलने, फोल्डस्कोप कार्यशाळा, गडहिंग्लज सायन्स सेंटर वर्धापन दिन व राष्ट्रीय गणित दिन**

विज्ञानोत्सव २०२२ संपर्क : डॉ. एस. के. नेर्ले मो. ९६०४८१९८४३

बाल वैज्ञानिक संमेलने : १४ डिसेंबर ते १६ डिसेंबर २०२२

वार व दिनांक : बुधवार, १४ डिसेंबर २०२२
ठिकाण : साधना हायस्कूल साधना माळ गडहिंग्लज.
सकाळी ८ ते ९.३० विज्ञान दिंडी
उद्घाटन व वैज्ञानिक व्याख्यान :
प्रा. डॉ. सत्यवती रावळ
शिक्षणतज्ञ एस्. एन. डी. टी. महिला विद्यापीठ मुंबई
* **हॅम रेडिओ दिग्दर्शन** : मा. बसाप्पा आरबोळे माजी नौसैनिक, मुगळी.
* **प्रयोग दिग्दर्शन** : मा. सोनाली कथले होमी भाभा विज्ञान शिक्षण केंद्र, मुंबई
* **विज्ञान गप्पा** : मा. पी. एस. वंजारे, विज्ञान शिक्षक, पार्वती शंकर विद्यालय उत्तूर व इतर

वार व दिनांक : गुरुवार, १५ डिसेंबर २०२२
ठिकाण : सी. एस. मुंगूरवाडी हायस्कूल कळविकट्टि
सकाळी : ८ ते ९.३० पक्षी निरीक्षण
* **उद्घाटन व वैज्ञानिक व्याख्यान :**
प्रा. डॉ. के. वाय राजपुरे भौतिक शास्त्र विभाग प्रमुख शिवाजी विद्यापीठ, कोल्हापूर.
* **हॅम रेडिओ दिग्दर्शन** : मा. बसाप्पा आरबोळे माजी नौसैनिक, मुगळी.
* **प्रयोग दिग्दर्शन** : श्री.शेवाळे डी.एस. विज्ञान शिक्षक,न्यू सेकंडरी स्कूल भोज
* **विज्ञान गप्पा** :
श्री. साखरे सी.एस. विज्ञान शिक्षक, इंदिरादेवी जाधव न्यू इंग्लिश स्कूल, नूल
* **आकाशदर्शन** : श्री. सुरेश कुंभार विज्ञान शिक्षक, हेरवाड,
श्री. बाबासाहेब मगदूम खगोल अभ्यासक निपाणी

वार व दिनांक : गुरुवार, १५ डिसेंबर २०२२
ठिकाण : न्यू इंग्लिश स्कूल हेब्बाळ–जलद्याळ
सकाळी : ८ ते ९.३० विज्ञान दिंडी
उद्घाटन व वैज्ञानिक व्याख्यान : प्रा. डॉ. हेमराज महिपती यादव
रामानुजन फेलो, स्कूल ऑफ नॅनो सायन्स ॲण्ड बायोटेक्नॉलॉजी शिवाजी विद्यापीठ कोल्हापूर.
हॅम रेडिओ दिग्दर्शन : मा. बसाप्पा आरबोळे माजी नौसैनिक मुगळी
प्रयोग दिग्दर्शन : मा. सोनाली कथले होमी भाभा विज्ञान शिक्षण केंद्र, मुंबई
विज्ञान गप्पा : प्रा. अनिल मगर, डॉ. घाळी महाविद्यालय गड. व इतर
आकाशदर्शन : श्री. बाबासाहेब मगदूम खगोल अभ्यासक, निपाणी
श्री. अरुण कुरबेट्टी खगोल अभ्यासक, गडहिंग्लज.

वार व दिनांक : शुक्रवार दि. १६ डिसेंबर २०२२
ठिकाण : इंदिरादेवी जाधव न्यू इंग्लिश स्कूल नूल.
सकाळी : ८ ते ९.३० विज्ञान दिंडी
उद्घाटन व वैज्ञानिक व्याख्यान :
मा. प्रा. विनय र. र. विज्ञान प्रसारक पुणे, अत्रे पुरस्कार प्राप्त
प्रयोग दिग्दर्शन : मा. दिपक बी. आडगांवकर एम्. फार्म विज्ञान प्रसारक, पुणे
विज्ञान गप्पा : मा. अनिल चव्हाण विज्ञान शिक्षक, कोल्हापूर
श्री साखरे सी. एस. विज्ञान शिक्षक, इंदिरादेवी जाधव न्यू इंग्लिश स्कूल नूल.
आकाशदर्शन : मा. अरुण कुरबेट्टी खगोल अभ्यासक, गडहिंग्लज
श्री. एम्. डी. येळ्ळुरकर खगोल अभ्यासक, गडहिंग्लज.

गडहिंग्लज सायन्स सेंटर वर्धापन दिन विशेष कार्यक्रम
वार व दि. : शनिवार १७ डिसें. २०२२ वेळ : सकाळी १० ते सायं. ४.०० पर्यंत
कार्यशाळा : **फोल्डस्कोपमधून सूक्ष्म वस्तूंच्या जगाची अनोखी सफर**
आयोजक : भारतीय राष्ट्रीय युवा विज्ञान अकादमी, मुंबई प्रभाग आणि मराठी विज्ञान परिषद गडहिंग्लज.
मार्गदर्शक : मा. रफिख शेख वरिष्ठ संशोधन समन्वयक, टाटा सामाजिक संस्था मुंबई मा. अवनिश उत्सव संशोधन सहाय्यक, टाटा सामाजिक संस्था मुंबई

गडहिंग्लज सायन्स सेंटर ५ वा वर्धापन दिन कार्यक्रम
वार व दिनांक : शनिवार दि. १७ डिसेंबर २०२२, **वेळ** : सायं. ४.३० ते ६.३० पर्यंत
उद्घाटक व वैज्ञानिक व्याख्यान : मा. डॉ. ए. व्ही. सप्रे सल्लागार राजीव गांधी विज्ञान–तंत्रज्ञान विभाग, महाराष्ट्र शासन
प्रमुख उपस्थिती : डॉ. अजित वर्तक भूगर्भशास्त्रज्ञ, पुणे , डॉ. विनायक पाटील वनशास्त्र महाविद्यालय दापोली विद्यापीठ, मा. प्रकाश जोशी पुणे

राष्ट्रीय गणित दिन २०२२
दि. २२ ते २६ डिसेंबर २०२२ अखेर विविध ठिकाणी व्याख्याने, स्पर्धा, कार्यशाळा व पोस्टर प्रदर्शन

बाल वैज्ञानिक संमेलन - उत्तूर उपविभाग
वार व दिनांक : २९, ३० व ३१ डिसेंबर २०२२ **ठिकाण** : पार्वती शंकर विद्यालय उत्तूर
कार्यक्रम : विज्ञान दिंडी, उद्घाटन व वैज्ञानिक व्याख्यान, प्रकल्प सादरीकरण, विविध वैज्ञानिक दालने, वैज्ञानिक गप्पा, प्रगतशील शेतकरी पुरस्कार वितरण, आकाश दर्शन इ.

INYAS ग्रामीण क्षेत्र व्याख्यान -2022 के तहत एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम

भारतीय हिमालयी क्षेत्र एक वैश्विक जैव विविधता हॉटस्पॉट है जिसमें भारी विविधता शामिल है। क्षेत्र की जैव विविधता विभिन्न पारिस्थितिकी तंत्र के सामान और सेवाओं के माध्यम से विभिन्न आजीविका विकल्प प्रदान करती है। हालांकि, आधुनिक शहरीकरण और जलवायु परिवर्तन की घटनाओं ने उस

क्षेत्र की जैव विविधता पर एक बड़ा दबाव डाला है जो अंततः लोगों की आजीविका विकल्पों को प्रभावित करता है। इसलिए, हिमालय की जैव विविधता के संरक्षण और स्थायी उपयोग के लिए रणनीतियों और जागरूकता को विकसित करने की तत्काल आवश्यकता है।

INYAS ग्रामीण क्षेत्र व्याख्यान -2022 के तहत एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम, संयुक्त रूप से भारतीय राष्ट्रीय यंग एकेडमी ऑफ साइंस और गढ़वाल क्षेत्रीय केंद्र, जी.बी. पैंट नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हिमालयन वातावरण, उत्तराखंड 20 दिसंबर 2022 को गवर्नमेंट इंटर कॉलेज, रामपुर, जिला रुद्रप्रायग, उत्तराखंड में। कार्यक्रम ने प्रासंगिक अवधारणाओं पर छात्रों/विज्ञान शिक्षकों के बीच अपने संरक्षण और जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए हिमालय की जैव विविधता पर विज्ञान-आधारित समझ को मजबूत करने की कोशिश की।

INYAS के सहयोग से जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा प्रायोजित लोकप्रिय व्याख्यान श्रृंखला

डॉ। राजिब देब, वरिष्ठ वैज्ञानिक, सुअर, गुवाहाटी, असम एंड मेंबर इनयस पर आईसीएआर -नेशनल रिसर्च सेंटर ने 21 वीं -23 दिसंबर, 2022 से एक लोकप्रिय व्याख्यान श्रृंखला का आयोजन किया, जो कि बायोटेक्नोलॉजी विभाग, भारत सरकार द्वारा इनास के सहयोग से प्रायोजित है। 22 दिसंबर, 2022 को डॉ। उपासना रे, संक्रामक रोगों और इम्यूनोलॉजी विभाग के डिप्टी हेड, CSIR- IICB, कोलकाता और पूर्व छात्रों Inyas ने "नई पीढ़ी के वैक्सीन के विकास में जैव प्रौद्योगिकी की भूमिका" पर एक लोकप्रिय बात की। इस कार्यक्रम में कुल 355 छात्रों ने भाग लिया।

ग्रामीण आउटरीच कार्यक्रम

किसान्सही, कंधमाल में किसानों के शिविर/किसानों का फील्ड डे

डॉ। डिब्येन्दु चटर्जी, इनास, ने 20 अप्रैल, 2022 को "प्राकृतिक और जैविक खेती के प्रचार" पर जागरूकता सह प्रशिक्षण कार्यक्रम पर कांधामाल में एक "फार्मर्स कैंप/फार्मर्स फील्ड डे" का आयोजन किया।

लंकपदा, तीर्टोल, जगातसिंहपुर, ओडिशा में किसानों के शिविर/किसानों का फील्ड डे

डॉ। डिब्येन्दु चटर्जी, नेशनल सेंटर ऑफ ऑर्गेनिक फार्मिंग, गाजियाबाद के अपने सहयोगियों के साथ, गाजियाबाद ने 25 अप्रैल, 2022 को एक किसान शिविर/किसानों के फील्ड डे का आयोजन किया है, जो लंकपदा, तर्टोल, जगातसिंहपुर, ओडिशा में है। इस शिविर का मुख्य उद्देश्य "प्राकृतिक और जैविक खेती के प्रचार" पर एक जागरूकता सह प्रशिक्षण कार्यक्रम था। इस शिविर में लगभग 40 प्रगतिशील किसानों, खेत महिलाओं और स्थानीय युवाओं ने भाग लिया है।

सुम्बल डिग्री कॉलेज के सहयोग से ग्रामीण क्षेत्र व्याख्यान

INYAS ने सुम्बल डिग्री कॉलेज के सहयोग से ग्रामीण क्षेत्र के व्याख्यान का संचालन किया। अध्यक्ष डॉ। राजेंद्र सिंह ढाका, अध्यक्ष, "वर्तमान और भविष्य की प्रौद्योगिकी के लिए सामग्री अनुसंधान" विषय पर INYAS थे।

अंतर्राष्ट्रीय संयुक्त कार्यक्रम

एसीएस संपादकों की बैठक

"ACS संपादकों की बैठक" का आयोजन अमेरिकन केमिकल सोसाइटी (ACS), इंडियन नेशनल यंग एकेडमी ऑफ साइंसेज (INYAS) और IIT दिल्ली द्वारा 9 नवंबर, 2022 को शाम 4:30 बजे से शाम 6:30 बजे तक किया जा रहा है।

प्रो। ब्रायन ब्रूक्स [बायलर यूनिवर्सिटी, यूएसए, एडिटर इन चीफ: ईएस एंड टी लेटर्स], प्रो। ग्रेगरी लोरी, [कार्नेगी मेलन यूनिवर्सिटी, यूएसए, कार्यकारी संपादक: ईएस एंड टी], और प्रो। वोनॉन्ग चोई [कोरिया इंस्टीट्यूट ऑफ एनर्जी टेक्नोलॉजी, कोरिया, एडिटर इन चीफ: एसीएस ईएस एंड टी इंजीनियरिंग] ने बैठक में भाग लिया।

NYAB सम्मेलन

NYAB ने 14-15 जुलाई 2022 से प्रामाणिक वैज्ञानिक प्रकाशनों पर अंतर्राष्ट्रीय बोलचाल का आयोजन किया, जहां डॉ। राजेंद्र ढाका और डॉ। श्रीपर्ना चटर्जी छात्र के मौखिक प्रस्तुति के मूल्यांकनकर्ता के रूप में मौजूद थे।

वैज्ञानिक लेखन के लिए कौशल विकास पर ग्रीष्मकालीन स्कूल

INYAS ने 13-15 सितंबर 2022 से NYAB के साथ "वैज्ञानिक लेखन के लिए कौशल विकास पर समर स्कूल" सह-आयोजित किया।

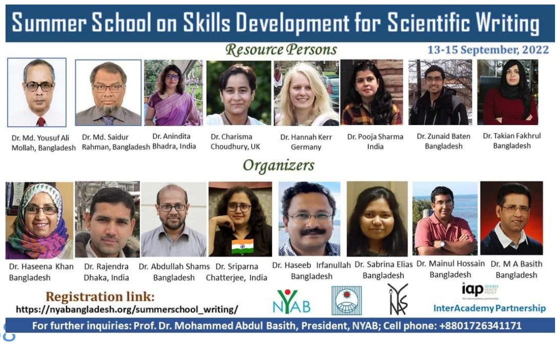

अध्याय घटना

1. INYAS DELHI-NCR अध्याय

- ग्रामीण विज्ञान शिक्षा और प्रशिक्षण उपयोगिता कार्यक्रम (RUSETUP) (INYAS फ्लैगशिप इवेंट) - भारतीय नेशनल यंग एकेडमी ऑफ साइंसेज (INYAS), इंडियन नेशनल साइंस एकेडमी -इंस, और नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज के दिल्ली एनसीआर अध्यायों द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया , भारत (NASI) भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली के परिसर में 9-10 जुलाई, 2022 के दौरान।
- INYAS DELHI NCR अध्याय ने "मीडिया को अपने शोध को कैसे संवाद करें?" पर एक ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन किया? 30 जुलाई 2022 को सुबह 11 बजे।
- 'प्री-फॉर्मुलेशन स्टडीज के प्रमुख पहलुओं' पर एक ऑनलाइन व्याख्यान 9 दिसंबर, 2022, 11:00 am-1: 00 बजे INYAS के NCR अध्याय द्वारा आयोजित किया गया था।

2. इनास हैदराबाद अध्याय

विषय पर एक आउटरीच घटना: विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड के एक भाग के रूप में ऊर्जा और स्थिरता - सर्ब वैज्ञानिक सामाजिक जिम्मेदारी और IITH कैंपस में 10 और 11 सितंबर 2022 को INYAS हैदराबाद अध्याय के साथ मिलकर।

3. इनास चंडीगढ़ अध्याय

INYAS में सहयोग के सहयोग से Inyas चंडीगढ़ अध्याय से डॉ। पूजा देवी द्वारा समन्वित एक टॉक श्रृंखला "टीच फॉर साइंस" का आयोजन किया गया। श्रृंखला 2 जुलाई को शुरू की गई थी और 14 अगस्त 2022 को समाप्त हो गई थी।

4. इनास कोलकाता भुवनेश्वर अध्याय

- INYAS-FLAGSHIP PROGRAPT ग्रामीण विज्ञान शिक्षा प्रशिक्षण उपयोगिता कार्यक्रम (RUSETUP), कोलकाता-भ्यूबानेश्वर अध्याय के सदस्यों ने सफलतापूर्वक "मितव्ययी नवाचार: प्रभाव पर ग्रामीण स्वास्थ्य सेवा" पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया, जो कि 02 जुलाई, 2022 को एक "-व्यक्ति" मोड में एक "इन-पर्सन" मोड में था। आईआईटी खड़गपुर।

- 5. मेड-मैनथन एक वेबिनार श्रृंखला है, जो कि इनास-कोलकाता भुवनेश्वर अध्याय द्वारा प्रस्तावित है, जो कि चिकित्सकों, शोधकर्ताओं और/ या (अतिरिक्त) आम लोगों द्वारा वेबिनार के माध्यम से महत्वपूर्ण स्वास्थ्य संबंधी दिनों का जश्न मनाने के लिए है, जिन्होंने इस कारण को चैंपियन बनाया है।
- 6. इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मेटल्स भुवनेश्वर अध्याय के सहयोग से इनास कोलकाता भुवनेश्वर अध्याय AMSE 2022 का आयोजन किया: "सामग्री विज्ञान और इंजीनियरिंग में अग्रिम" पर एक वेबिनार श्रृंखला।
- 7. इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मेटल्स भुवनेश्वर अध्याय के सहयोग से इनास कोलकाता भुवनेश्वर अध्याय AMSE 2022 का आयोजन किया: "सामग्री विज्ञान और इंजीनियरिंग में अग्रिम" पर एक वेबिनार श्रृंखला।
- 8. सामग्री विज्ञान और इंजीनियरिंग में अग्रिम ”(एएमएसई -2022) का आयोजन इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मेटल्स (आईआईएम) भुवनेश्वर अध्याय के सहयोग से, इनास कोलकाता भुवनेश्वर अध्याय द्वारा किया गया था। स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग से प्रो। मल्लर रे और इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, जोधपुर के टेक डे मोंटेरे और निपुन शर्मा के विज्ञान, एएमएसई -2022 के तीसरे सत्र के वक्ता थे।

5. INYAS लखनऊ अध्याय

- 1. INYAS (LKO-NNP अध्याय) संयुक्त रूप से INSA (LKO अध्याय) के साथ प्रो। शाल्ली अवस्थी (KGMU) द्वारा बाल चिकित्सा कोविड पर सार्वजनिक व्याख्यान का आयोजन किया
- 2. INYAS (LKO अध्याय) ने CSIR-CDRI और CMO-LUCKNOW द्वारा संयुक्त रूप से समन्वित टीकाकरण ड्राइव में स्वेच्छा से काम किया

6. INYAS नॉर्थ ईस्ट अध्याय

गणित विभाग, एनआईटी नागालैंड ने 14 मार्च 2022 को सेंट सिवियो स्कूल सेइरूज़ा में नॉर्थ ईस्ट लोकल चैप्टर के सहयोग से 14 मार्च 2022 को इंटरनेशनल डे ऑफ मैथमेटिक्स मनाया।

7. इनास मुंबई अध्याय

- INYAS और INSA के मुंबई अध्याय ने 3-4, 2022 के दौरान होमी भाभा सेंटर फॉर साइंस एजुकेशन (HBCSE), मुंबई में संयुक्त रूप से INYAS फ्लैगशिप इवेंट "ग्रामीण विज्ञान शिक्षा और प्रशिक्षण उपयोगिता कार्यक्रम (RUSETUP)" का आयोजन किया है।
- यूरेका साइंस क्लब, सिंधुड्गा इनास के सहयोग से, मुंबई चैप्टर ने "स्कूल के छात्रों के लिए इलेक्ट्रॉनिक्स एंड रोबोटिक्स वर्कशॉप के साथ मज़ा" का आयोजन किया - पूरी तरह से व्यावहारिक और अभिनव विचारों के आधार पर कार्यशाला दो दिन बुनियादी इलेक्ट्रॉनिक्स और रोबोटिक्स वर्कशॉप का आयोजन यूरेका साइंस सेंटर, सिंधुधुगा द्वारा किया गया था। विद्या निकेतन कॉन्वेंट स्कूल सिंधुधुर्गा, महाराष्ट्र में 31 अक्टूबर और 1 नवंबर 2022 को इनास, मुंबई अध्याय के साथ मिलकर महाराष्ट्र।
- दो दिन INYAS साइंस कैंप - 2022 16-17 दिसंबर 2022 के दौरान 7 से 9 वें मानक छात्रों के लिए डी। वाई। पाटिल नॉलेज कैंपस, सलखेनगर, कोल्हापुर, महाराष्ट्र में आयोजित किया गया था।

पुरस्कार और मान्यताएँ

INYAS सदस्य का नाम	पुरस्कार
डॉ। सोनू गांधी	ब्रेमेन, जर्मनी में Indogfoe संगोष्ठी के लिए DST-HUMBOLDT फाउंडेशन ट्रैवल अवार्ड; उत्कृष्ट महिला वैज्ञानिक, ICAR, नई दिल्ली के लिए ICAR-Panjabrao देशमुख पुरस्कार; बायोफूटप्रिंट्स, एम्स, दिल्ली द्वारा अलेक्जेंडर फ्लेमिंग एक्सीलेंस अवार्ड
डॉ। मुदी्रिका खान्डेलवाल	विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड - सर्ब महिला उत्कृष्टता पुरस्कार।
डॉ। काल्पना नागपाल	हरियाणा युवा विगयान रतन पुरस्कार।
डॉ। संतोष गुप्ता	भारतीय एसोसिएशन ऑफ न्यूक्लियर केमिस्ट्स एंड एलाइड साइंटिस्ट्स (IANCAS) द्वारा तरुण दत्त मेमोरियल यंग साइंटिस्ट अवार्ड।
डॉ। उपासना रेबनर्जी (पूर्व छात्र, INYAS 2017)	इस वर्ष ग्लोबल यंग अकादमी की सदस्यता के लिए चुना गया।
डॉ। शंकर कुसली	इस वर्ष ग्लोबल यंग अकादमी की सदस्यता के लिए चुना गया।
डॉ। नेहा सरदाना	IEI यंग इंजीनियर्स अवार्ड।
डॉ। सुधान्शु शेखर सिंह	आईआईटी कानपुर की पी के केलकर फैलोशिप, आईआईटी कानपुर द्वारा शिक्षण अवार्ड में उत्कृष्टता
डॉ। काल्पना नागपाल, डॉ। डरबा सेनगुप्ता, डॉ। जिबन ज्योति पांडा, डॉ। किरण बाला और डॉ। निशिमा वांगू और पूर्व छात्र डॉ। उपासना रेबानर्जी और डॉ। रंजिनी विश्वनाथ।	75 महिला वैज्ञानिकों पर एक संकलन में आज़ादी का अमृत महोत्सव के एक हिस्से के रूप में एक संकलन में चित्रित किया गया: "वह है: 75 महिलाएं स्टीम में"
डॉ। नती कुमार, डॉ। सोनू गांधी, डॉ। प्रियंका बजाज, डॉ। छताश्री रॉय, डॉ। नेहा सरदाना, डॉ। निशाद फातिमा, डॉ। रोहिणी गर्ग, डॉ। उपासना रे, डॉ। शालिनी गादोके आर्य, डॉ। धान्या, डॉ। डॉ। पूजा देवी	22 जुलाई 2022 को प्रो। अजय सूद, पीएसए, गोई, भारत द्वारा लॉन्च किए गए "स्टेम में वीमेन: वैनगार्ड्स ऑफ इंडिया@75 पर भारतीय उद्योगों (सीआईआई) के एक संकलन में चित्रित किया गया।
डॉ। राजब देब	इनसा विजिटिंग साइंटिस्ट फैलोशिप

डॉ। प्रंजल चंद्र	द इंडियन सोसाइटी ऑफ केमिस्ट्स एंड बायोलॉजिस्ट (ISCB) यंग साइंटिस्ट अवार्ड
डॉ। सोनू गांधी, डॉ। मोहम्मद अली हैदर, डॉ। चिरास्री रॉयचौदीहुरी और डॉ। संतोष कुमन गुप्ता	नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज, इंडिया (NASI) के सदस्यों के रूप में चुना गया
डॉ। मोहित कुमार जॉली	युवा वैज्ञानिकों के लिए INSA पदक, IIT कानपुर यंग एलुमनीस अवार्ड, एडिटर-इन-चीफ, एनपीजे सिस्टम बायोलॉजी एंड एप्लीकेशन
डॉ। श्रीपर्ना चटर्जी	सोसाइटी फॉर मटेरियल केमिस्ट्री (एसएमसी) कांस्य पदक -2022
डॉ। शांतनु मुखर्जी	एसईएस अर्ली करियर वैज्ञानिक सम्मेलन पुरस्कार -2022 और द जियोकेमिकल सोसाइटी (जीएस) और यूरोपियन एसोसिएशन ऑफ जियोकेमिस्ट्री (ईएजी) -2022 द्वारा प्रारंभिक कैरियर यात्रा अनुदान
Dr. M. S. Santosh	डॉ। एम। एस। संतोष
डॉ। प्रवीण कुमार	सलाहकार पैनल सदस्य, ओ । सलाहकार पैनल सदस्य । नैनो टेक्नोलॉजी (IOP); SCO युवा वैज्ञानिकों में चयन कॉन्क्लेव; फुलब्राइट-नेहरू अकादमिक और पेशेवर उत्कृष्टता फैलोशिप: अध्यक्ष, कैरियर विकास कार्य समूह, मैरी क्यूरी एलुमनी एसोसिएशन (MCAA)।
डॉ। कुतुबुद्दीन मोला	युवा वैज्ञानिक के लिए इनसा पदक प्राप्त किया; चयनित (वर्ल्डवाइड प्रतियोगिता के माध्यम से) प्लांट सेल जर्नल के लिए सहायक सुविधाओं के संपादक के रूप में
डॉ। अनूप महाजन	पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय युवा शोधकर्ता पुरस्कार
डॉ। वीरेंद्र के। शर्मा	भारतीय भौतिकी एसोसिएशन (IPA) -बुती फाउंडेशन अवार्ड 2022
डॉ। रोहिणी गर्ग	पेरिस, फ्रांस में आयोजित IGEM कंपिशन 2022 के लिए एक न्यायाधीश के रूप में सेवा करने के लिए चुना गया; प्लांट बायोकेमिस्ट्री और बायोटेक्नोलॉजी के सोसायटी के सदस्य के रूप में चुना गया।
डॉ। विवेक पार्कर	वर्ष 2022 में भौतिक विज्ञान की श्रेणी में महाराष्ट्र एकेडमी ऑफ साइंसेज के फेलो के रूप में चुना गया (2 दिसंबर 2022)
डॉ। मुकेश कुमार	फेलो, इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिक्स (IOP), यूके NOV-22 IOP, यूके; JSPS फैलोशिप DEC-22, JSPS, जापान
डॉ। डिबेदु चटर्जी	वेस्ट बंगाल अकादमी ऑफ एस एंड टी (वस्ट) के फेलो के रूप में चुना गया, जिसे नास के सहयोगी के रूप में चुना गया,

प्रिंट में INYAS

डॉ। रोहिणी गर्ग द्वारा लिखित इनास पर एक लेख अगस्त 2022 में विगो प्रागाटी के अंक में प्रकाशित किया गया था।

PINSA के चौथे विशेष अंक को Inyas के सदस्यों चंद्र शेखर शर्मा, अश्विनी रत्नू, सुब्बियाह अल्वारप्पन, डरबा सेंगुप्ता, और प्रवीण कुमार द्वारा संपादित किया गया। इस मुद्दे में 21 लेखों के साथ 19 सितंबर 2022।

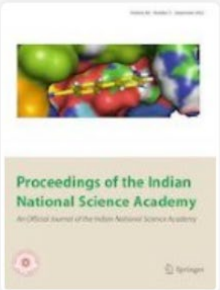

Volume 88, issue 3, September 2022

Special Issue of PINSA edited by INYAS

21 articles in this issue

Editorial

Subbiah Alwarappan, Chandra Shekhar Sharma ... Ashwini Ratnoo

Editorial | Published: 19 September 2022 | Pages: 241 - 242

संपर्क करें

भारतीय राष्ट्रीय युवा विज्ञान अकादमी

भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी,
2, बहादुर शाह जफर मार्ग,
नई दिल्ली - 110 002, भारत

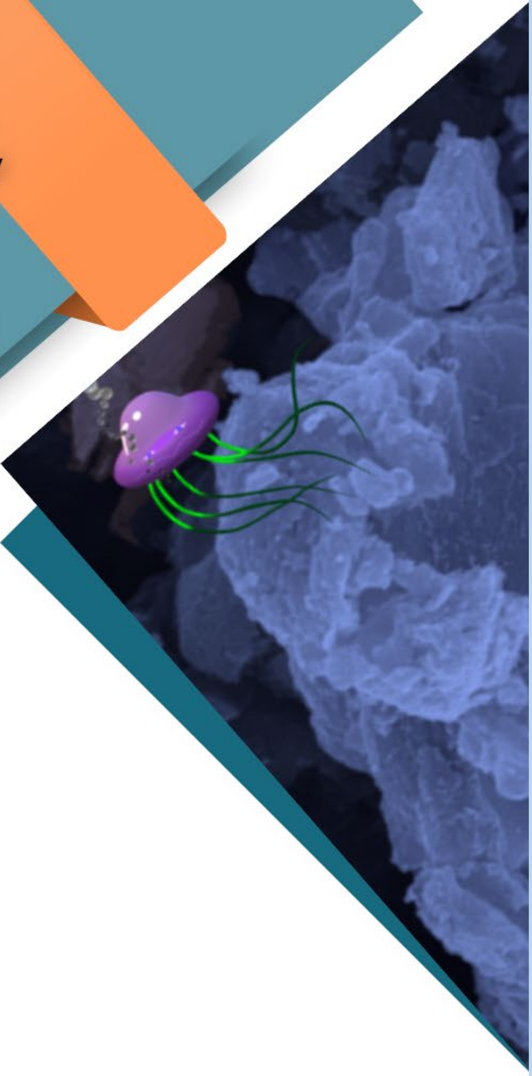

Indian National Young Academy of Sciences
भारतीय राष्ट्रीय युवा विज्ञान अकादमी

https://www.facebook.com/INYAS-1662728413946122/
https://www.youtube.com/c/INYASYouTube
@INYAS_INSA
http://inyas.in/
inyas@insa.nic.in ; inyasindia@gmail.com